विशेष परियोजनाएँ

बिशप*
GARLAND F. BYERS, JR., J.D., D.D.‡
जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन



Matthias Gerung, बाबेल का पतन और श्वेत घोड़े का सवार (प्रकाशितवाक्य 18:9–24; 19:11–21), ओटहाइनरिख बाइबल (Ottheinrich-Bibel) में चित्रित पृष्ठ, लगभग 1530–1532। बवेरियाई राज्य पुस्तकालय, म्यूनिख (Cgm 8010, पन्ना 302v)।

सार्वजनिक डोमेन।

"और अंधकार के निष्फल कामों में सहभागी न हो, वरन् उन पर उलाहना दो।"

इफिसियों 5:11 (IRV)

जिस क्षण से मसीह ने प्रेरितों को आदेश दिया और उन्हें सब जातियों में सुसमाचार प्रचार करने के लिये संसार में भेजा,[1] उसी क्षण से कलीसिया अंधकार की शक्तियों के साथ आत्मिक युद्ध में पूरी तरह लगी हुई है, आत्मिक लोकों में भी[2] और सारी पृथ्वी पर शारीरिक रूप से भी।[3] इस युद्ध ने समय-समय पर विभिन्न रूप लिए हैं, जैसे: (1) शत्रु द्वारा कानून का हथियार के रूप में प्रयोग;[4,5] (2) झूठे भविष्यद्वक्ता, जिन्होंने एक नया सुसमाचार प्रचार किया, न कि वह जो हमारे प्रभु यीशु मसीह ने हमें दिया है;[6] (3) हर प्रकार की झूठी शिक्षाएँ, विधर्म और ईशनिन्दाएँ;[7] (4) विश्वासियों का मृत्यु और शहादत तक सताया जाना;[8] (5) सूक्ष्म साधनों और छल के द्वारा पाप को सामान्य बना देना, जो मनोरंजन के रूप में रचा गया और जनसाधारण को लुभाने के लिये सावधानी से गढ़ा गया;[9] (6) विश्वासियों का ध्यान तुच्छ बातों में भटकाना, और साथ ही जो कुछ शालीन और पवित्र है, उस

सब पर आक्रमण करना;[10] (7) मूर्तिपूजा और शासकों की उपासना;[11] (8) निर्दोषों का लहू बहाना;[12] (9) रक्तपात को तमाशा बना देना;[13] (10) कंगालों पर अत्याचार और लोभ;[14] (11) दासता और मनुष्यों का व्यापार;[15] (12) गुप्त विद्याएँ, टोना और भावी कहना;[16] (13) अत्याचार और कानून से ऊपर बैठे शासक;[17] (14) कलीसिया के भीतर भ्रष्टाचार;[18] (15) फूट और देह का विभाजन;[19] (16) दबाव में धर्मत्याग;[20] और अन्य बातें, जो यहाँ गिनाने के लिये बहुत अधिक हैं, जिन्होंने कलीसिया को प्रभावित किया और सुसमाचार को आगे पहुँचाने में बाधा डाली।[21]

बिशप की विशेष परियोजनाएँ इस कार्य को आज के समय तक आगे बढ़ाती हैं। प्रत्येक परियोजना एक ऐसा विषय उठाती है, जिसके विषय में बिशप का विश्वास है कि उस पर कलीसिया[22] को इतिहास के इस क्षण में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।[23] कुछ लेख, जो इस वेबसाइट पर किसी परियोजना के अंतर्गत व्यवस्थित और संग्रहीत किए गए हैं, केवल दस राज्यों की किसी कलीसिया या कलीसियाओं को संबोधित हैं।[24] अन्य लेख सीधे उन विभिन्न अधिकारियों, निगमों, संस्थाओं और/या अन्य व्यक्तियों को संबोधित हैं, जो विशेष परियोजना के विषय से जुड़े हैं।[25] कलीसिया के बाहर के तीसरे पक्षों को, या स्वयं कलीसियाओं को संबोधित कोई लेख विशेष परियोजनाओं के खंड में, या प्रभावित दस राज्यों को समर्पित लेखों के खंड या खंडों में मिल सकता है।

बिशप की रीति के अनुसार, सभी लेख अपने रचे जाने की तिथि के क्रम से अंकित किए जाते हैं।[26] प्रत्येक लेख स्रोतों पर आधारित है, और उसके प्रमाणों का पूरा उल्लेख किया जाता है।[27]

परियोजनाएँ

“कानून राजा का हथियार है”

कानून को कलीसिया और विश्वासयोग्य लोगों के विरुद्ध हथियार कैसे बनाया जाता है।

विश्व-प्रभुत्व के लिए वैश्वीकरणवादी योजना

एक विश्व-व्यवस्था, और कलीसिया का उत्तर।

टिप्पणियाँ

1

“...स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ; और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूँ।” मत्ती 28:18–20 (IRV)। “...तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो।” मरकुस 16:15 (IRV)। “...यह लिखा है कि मसीह दुःख उठाएगा, और तीसरे दिन मरे हुओं में से जी उठेगा, और यरूशलेम से लेकर सब जातियों में मन फिराव का और पापों की क्षमा का प्रचार, उसी के नाम से किया जाएगा।” लूका 24:46–47 (IRV)। “...तुम्हें शान्ति मिले; जैसे पिता ने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं भी तुम्हें भेजता हूँ।” यूहन्ना 20:21 (IRV)। “परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ्य पाओगे; और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होंगे।” प्रेरितों के काम 1:8 (IRV)। “और राज्य का यह

सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा, कि सब जातियों पर गवाही हो, तब अन्त आ जाएगा।" मत्ती 24:14 (IRV)। "और उन्होंने निकलकर हर जगह प्रचार किया, और प्रभु उनके साथ काम करता रहा और उन चिन्हों के द्वारा जो साथ-साथ होते थे, वचन को दृढ़ करता रहा। आमीन।" मरकुस 16:20 (IRV)। "और यदि भेजे न जाएँ, तो क्यों प्रचार करें? जैसा लिखा है, "उनके पाँव क्या ही सुहावने हैं, जो अच्छी बातों का सुसमाचार सुनाते हैं!"" रोमियों 10:15 (IRV)।

आरम्भिक कलीसिया

"प्रेरितों ने प्रभु यीशु मसीह की ओर से हमें सुसमाचार सुनाया है; यीशु मसीह ने [ऐसा] परमेश्वर की ओर से किया है। इसलिए मसीह परमेश्वर की ओर से भेजे गए, और प्रेरित मसीह की ओर से। अतः ये दोनों नियुक्तियाँ परमेश्वर की इच्छा के अनुसार व्यवस्थित रीति से हुई। इसलिए अपनी आज्ञाएँ पाकर, और हमारे प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान के द्वारा पूरा निश्चय पाकर, और परमेश्वर के वचन में स्थिर होकर, पवित्र आत्मा के पूरे निश्चय के साथ, वे यह प्रचार करते हुए निकल पड़े कि परमेश्वर का राज्य निकट आ गया है।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) रोम के क्लेमेंट, कुरिन्थियों के नाम पहली पत्री, अध्याय 42, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

2

"परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो कि तुम शैतान की युक्तियों के सामने खड़े रह सको। क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध, लहू और माँस से नहीं, परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से, और इस संसार के अंधकार के शासकों से, और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं। इसलिए परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो कि तुम बुरे दिन में सामना कर सको, और सब कुछ पूरा करके स्थिर रह सको।" इफिसियों 6:11–13 (IRV)। "क्योंकि यद्यपि हम शरीर में चलते फिरते हैं, तो भी शरीर के अनुसार नहीं लड़ते। क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं। हम कल्पनाओं को, और हर एक ऊँची बात को, जो परमेश्वर की पहचान के विरोध में उठती है, खण्डन करते हैं; और हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते हैं।" 2 कुरिन्थियों 10:3–5 (IRV)। "क्योंकि उसी में सारी वस्तुओं की सृष्टि हुई, स्वर्ग की हो अथवा पृथ्वी की, देखी या अनदेखी, क्या सिंहासन, क्या प्रभुताएँ, क्या प्रधानताएँ, क्या अधिकार, सारी वस्तुएँ उसी के द्वारा और उसी के लिये सृजी गई हैं।" कुलुस्सियों 1:16 (IRV)। "देखो, मैं तुम्हें भेड़ों की तरह भेड़ियों के बीच में भेजता हूँ इसलिए साँपों की तरह बुद्धिमान और कबूतरों की तरह भोले बनो।" मत्ती 10:16 (IRV)। "विश्वास की अच्छी कुश्ती लड़..." 1 तीमुथियुस 6:12 (IRV)। "मसीह यीशु के अच्छे योद्धा के समान मेरे साथ दुःख उठा। जब कोई योद्धा लड़ाई पर जाता है, तो इसलिए कि अपने वरिष्ठ अधिकारी को प्रसन्न करे, अपने आपको संसार के कामों में नहीं फँसाता" 2 तीमुथियुस 2:3–4 (IRV)। "परन्तु प्रधान स्वर्गदूत मीकाईल ने, जब शैतान से मूसा के शव के विषय में वाद-विवाद किया, तो उसको बुरा-भला कहकर दोष लगाने का साहस न किया; पर यह कहा, "प्रभु तुझे डाँटे।"" यहूदा 9 (IRV)। "मैं मसीह में एक मनुष्य को जानता हूँ, चौदह वर्ष हुए कि न जाने देहसहित, न जाने देहरहित, परमेश्वर जानता है, ऐसा मनुष्य तीसरे स्वर्ग तक उठा लिया गया। मैं ऐसे मनुष्य को जानता हूँ न जाने देहसहित, न जाने देहरहित परमेश्वर ही जानता है। कि स्वर्गलोक पर उठा लिया गया, और ऐसी बातें सुनीं जो कहने की नहीं; और जिनका मुँह में लाना मनुष्य को उचित नहीं।" 2 कुरिन्थियों 12:2–4 (IRV)। (यह दर्शाते हुए कि आत्मिक संसार और स्वर्गीय स्थानों के अनेक आयाम हैं।) "और इसलिए कि मैं प्रकाशनों की बहुतायत से फूल न जाऊँ..." 2 कुरिन्थियों 12:7 (IRV)। "सुन, स्वर्ग और सबसे ऊँचा स्वर्ग भी, और पृथ्वी और उसमें जो कुछ है, वह सब तेरे परमेश्वर यहोवा ही का है..." व्यवस्थाविवरण 10:14 (IRV)। "क्या परमेश्वर सचमुच पृथ्वी पर वास करेगा, स्वर्ग में वरन् सबसे ऊँचे स्वर्ग में भी तू नहीं समाता, फिर मेरे बनाए हुए इस भवन में कैसे समाएगा।" 1 राजाओं 8:27 (IRV)। "तू ही अकेला यहोवा है; स्वर्ग वरन् सबसे ऊँचे स्वर्ग और उसके सब गण, और पृथ्वी और जो कुछ उसमें है, और समुद्र और जो कुछ उसमें है, सभी को तू ही ने बनाया..." नहेम्याह 9:6 (IRV)। "हे सबसे ऊँचे आकाश और हे आकाश के ऊपरवाले जल, तुम दोनों उसकी स्तुति करो।" भजन संहिता 148:4 (IRV)। "(उसके चढ़ने से, और क्या अर्थ पाया जाता है केवल यह कि वह पृथ्वी की निचली जगहों में उतरा भी था। और जो उतर गया यह वही है जो सारे आकाश के ऊपर चढ़ भी गया कि सब कुछ परिपूर्ण करे।)" इफिसियों 4:9–10 (IRV)। "हमारे परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह के पिता का धन्यवाद हो कि उसने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आत्मिक आशीष दी है।" इफिसियों 1:3 (IRV)। "जो उसने मसीह के विषय में किया, कि उसको मरे हुओं में से जिलाकर स्वर्गीय स्थानों में अपनी दाहिनी ओर, सब प्रकार की प्रधानता, और अधिकार, और सामर्थ्य, और प्रभुता के, और हर एक नाम के ऊपर, जो न केवल इस लोक में, पर आनेवाले लोक में भी लिया जाएगा, बैठाया..." इफिसियों

1:20–21 (IRV)। “इसलिए, जब हमारा ऐसा बड़ा महायाजक है, जो स्वर्गों से होकर गया है, अर्थात् परमेश्वर का पुत्र यीशु; तो आओ, हम अपने अंगीकार को दृढ़ता से थामे रहें।” इब्रानियों 4:14 (IRV)।

आरम्भिक कलीसिया

“इसलिए सावधान रहो कि परमेश्वर का धन्यवाद करने और उनकी स्तुति प्रगट करने के लिये बार-बार इकट्ठे हुआ करो। क्योंकि जब तुम बार-बार एक ही स्थान में इकट्ठे होते हो, तो शैतान की शक्तियाँ नष्ट हो जाती हैं...” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) अन्ताकिया के इग्नेशियस, इफिसियों के नाम पत्री, अध्याय 13, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

3

“यहोवा ने शैतान से पूछा, “तू कहाँ से आता है?” शैतान ने यहोवा को उत्तर दिया, “पृथ्वी पर इधर-उधर घूमते-फिरते और डोलते-डालते आया हूँ।”” अय्यूब 1:7 (IRV)। “तब शैतान यहोवा के सामने से निकला, और अय्यूब को पाँव के तलवे से लेकर सिर की चोटी तक बड़े-बड़े फोड़ों से पीड़ित किया।” अय्यूब 2:7 (IRV)। “और शैतान ने इस्राएल के विरुद्ध उठकर, दाऊद को उकसाया कि इस्राएलियों की गिनती ले।” 1 इतिहास 21:1 (IRV)। “फिर यहोवा ने यहोशू महायाजक को यहोवा के दूत के सामने खड़ा हुआ मुझे दिखाया, और शैतान उसकी दाहिनी ओर उसका विरोध करने को खड़ा था।” जकर्याह 3:1 (IRV)। “भोर को परमेश्वर के भक्त का टहलुआ उठा और निकलकर क्या देखता है कि घोड़ों और रथों समेत एक दल नगर को घेरे हुए पड़ा है। तब उसके सेवक ने उससे कहा, “हाय! मेरे स्वामी, हम क्या करें?” उसने कहा, “मत डर; क्योंकि जो हमारी ओर हैं, वह उनसे अधिक हैं, जो उनकी ओर हैं।” तब एलीशा ने यह प्रार्थना की, “हे यहोवा, इसकी आँखें खोल दे कि यह देख सके।” तब यहोवा ने सेवक की आँखें खोल दीं, और जब वह देख सका, तब क्या देखा, कि एलीशा के चारों ओर का पहाड़ अग्निमय घोड़ों और रथों से भरा हुआ है।” 2 राजाओं 6:15–17 (IRV)। “तब नबूकदनेस्सर झुँझला उठा, और उसके चेहरे का रंग शद्रक, मेशक और अबेदनगो की ओर बदल गया। और उसने आज्ञा दी कि भट्ठे को सात गुणा अधिक धधका दो। फिर अपनी सेना में के कई एक बलवान पुरुषों को उसने आज्ञा दी, कि शद्रक, मेशक और अबेदनगो को बाँधकर उन्हें धधकते हुए भट्ठे में डाल दो। तब वे पुरुष अपने मोजों, अंगरखों, बागों और वस्त्रों सहित बाँधकर, उस धधकते हुए भट्ठे में डाल दिए गए। वह भट्ठा तो राजा की दृढ़ आज्ञा होने के कारण अत्यन्त धधकाया गया था, इस कारण जिन पुरुषों ने शद्रक, मेशक और अबेदनगो को उठाया वे ही आग की आँच से जल मरे। और उसी धधकते हुए भट्ठे के बीच ये तीनों पुरुष, शद्रक, मेशक और अबेदनगो, बंधे हुए फेंक दिए गए। तब नबूकदनेस्सर राजा अचम्भित हुआ और घबराकर उठ खड़ा हुआ। और अपने मंत्रियों से पूछने लगा, “क्या हमने उस आग के बीच तीन ही पुरुष बंधे हुए नहीं डलवाए?” उन्होंने राजा को उत्तर दिया, “हाँ राजा, सच बात तो है।” फिर उसने कहा, “अब मैं देखता हूँ कि चार पुरुष आग के बीच खुले हुए टहल रहे हैं, और उनको कुछ भी हानि नहीं पहुँची; और चौथे पुरुष का स्वरूप परमेश्वर के पुत्र के सदृश्य है।”” दानिय्येल 3:19–25 (IRV)। “तब राजा ने आज्ञा दी, और दानिय्येल लाकर सिंहों की माँद में डाल दिया गया। उस समय राजा ने दानिय्येल से कहा, “तेरा परमेश्वर जिसकी तू नित्य उपासना करता है, वही तुझे बचाए!” तब एक पत्थर लाकर उस माँद के मुँह पर रखा गया, और राजा ने उस पर अपनी अंगूठी से, और अपने प्रधानों की अँगूठियों से मुहर लगा दी कि दानिय्येल के विषय में कुछ बदलने न पाए। तब राजा अपने महल में चला गया, और उस रात को बिना भोजन पड़ा रहा; और उसके पास सुख-विलास की कोई वस्तु नहीं पहुँचाई गई, और उसे नींद भी नहीं आई। भोर को पौ फटते ही राजा उठा, और सिंहों के माँद की ओर फुर्ती से चला गया। जब राजा माँद के निकट आया, तब शोकभरी वाणी से चिल्लाने लगा और दानिय्येल से कहा, “हे दानिय्येल, हे जीविते परमेश्वर के दास, क्या तेरा परमेश्वर जिसकी तू नित्य उपासना करता है, तुझे सिंहों से बचा सका है?” तब दानिय्येल ने राजा से कहा, “हे राजा, तू युग-युग जीवित रहे! मेरे परमेश्वर ने अपना दूत भेजकर सिंहों के मुँह को ऐसा बन्द कर रखा कि उन्होंने मेरी कुछ भी हानि नहीं की; इसका कारण यह है, कि मैं उसके सामने निर्दोष पाया गया; और हे राजा, तेरे सम्मुख भी मैंने कोई भूल नहीं की।”” दानिय्येल 6:16–22 (IRV)। “फिर उसने मुझसे कहा, “हे दानिय्येल, मत डर, क्योंकि पहले ही दिन को जब तूने समझने-बूझने के लिये मन लगाया और अपने परमेश्वर के सामने अपने को दीन किया, उसी दिन तेरे वचन सुने गए, और मैं तेरे वचनों के कारण आ गया हूँ। फारस के राज्य का प्रधान इक्कीस दिन तक मेरा सामना किए रहा; परन्तु मीकाएल जो मुख्य प्रधानों में से है, वह मेरी सहायता के लिये आया, इसलिए मैं फारस के राजाओं के पास रहा...” दानिय्येल 10:12–13 (IRV)। “और शैतान यहूदा में समाया, जो इस्करियोती कहलाता और बारह चेलों में गिना जाता था।” लूका 22:3 (IRV)। “जब हम प्रार्थना करने की जगह जा रहे थे, तो हमें एक दासी मिली, जिसमें भावी कहनेवाली आत्मा थी; और भावी कहने से अपने स्वामियों के लिये

बहुत कुछ कमा लाती थी। वह पौलुस के और हमारे पीछे आकर चिल्लाने लगी, “ये मनुष्य परमप्रधान परमेश्वर के दास हैं, जो हमें उद्धार के मार्ग की कथा सुनाते हैं।” वह बहुत दिन तक ऐसा ही करती रही, परन्तु पौलुस परेशान हुआ, और मुड़कर उस आत्मा से कहा, “मैं तुझे यीशु मसीह के नाम से आज्ञा देता हूँ, कि उसमें से निकल जा और वह उसी घड़ी निकल गई।” जब उसके स्वामियों ने देखा, कि हमारी कमाई की आशा जाती रही, तो पौलुस और सीलास को पकड़कर चौक में प्रधानों के पास खींच ले गए। और उन्हें फौजदारी के हाकिमों के पास ले जाकर कहा, “ये लोग जो यहूदी हैं, हमारे नगर में बड़ी हलचल मचा रहे हैं; और ऐसी रीतियाँ बता रहे हैं, जिन्हें ग्रहण करना या मानना हम रोमियों के लिये ठीक नहीं।” तब भीड़ के लोग उनके विरोध में इकट्ठे होकर चढ़ आए, और हाकिमों ने उनके कपड़े फाड़कर उतार डाले, और उन्हें बेंत मारने की आज्ञा दी।” प्रेरितों के काम 16:16–22 (IRV)। “सचेत हो, और जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह के समान इस खोज में रहता है, कि किसको फाड़ खाए।” 1 पतरस 5:8 (IRV)। “फिर स्वर्ग पर लड़ाई हुई, मीकाईल और उसके स्वर्गदूत अजगर से लड़ने को निकले; और अजगर और उसके दूत उससे लड़े, परन्तु प्रबल न हुए, और स्वर्ग में उनके लिये फिर जगह न रही। और वह बड़ा अजगर अर्थात् वही पुराना साँप, जो शैतान कहलाता है, और सारे संसार का भरमानेवाला है, पृथ्वी पर गिरा दिया गया; और उसके दूत उसके साथ गिरा दिए गए। फिर मैंने स्वर्ग पर से यह बड़ा शब्द आते हुए सुना, “अब हमारे परमेश्वर का उद्धार, सामर्थ्य, राज्य, और उसके मसीह का अधिकार प्रगट हुआ है; क्योंकि हमारे भाइयों पर दोष लगानेवाला, जो रात-दिन हमारे परमेश्वर के सामने उन पर दोष लगाया करता था, गिरा दिया गया। और वे मेम्ने के लहू के कारण, और अपनी गवाही के वचन के कारण, उस पर जयवन्त हुए, क्योंकि उन्होंने अपने प्राणों को प्रिय न जाना, यहाँ तक कि मृत्यु भी सह ली। इस कारण, हे स्वर्गों, और उनमें रहनेवालों मगन हो; हे पृथ्वी, और समुद्र, तुम पर हाय! क्योंकि शैतान बड़े क्रोध के साथ तुम्हारे पास उतर आया है; क्योंकि जानता है कि उसका थोड़ा ही समय और बाकी है।”” प्रकाशितवाक्य 12:7–12 (IRV)। “तब अजगर स्त्री पर क्रोधित हुआ, और उसकी शेष सन्तान से जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते, और यीशु की गवाही देने पर स्थिर हैं, लड़ने को गया।” प्रकाशितवाक्य 12:17 (IRV)। “उसे यह अधिकार दिया गया, कि पवित्र लोगों से लड़े, और उन पर जय पाए, और उसे हर एक कुल, लोग, भाषा, और जाति पर अधिकार दिया गया।” प्रकाशितवाक्य 13:7 (IRV)।

4

“क्या तेरे और दुष्टों के सिंहासन के बीच संधि होगी, जो कानून की आड़ में उत्पात मचाते हैं? वे धर्मी का प्राण लेने को दल बाँधते हैं, और निर्दोष को प्राणदण्ड देते हैं।” भजन संहिता 94:20–21 (IRV)। “हाय उन पर जो दुष्टता से न्याय करते, और उन पर जो उत्पात करने की आज्ञा लिख देते हैं, कि वे कंगालों का न्याय बिगाड़ें और मेरी प्रजा के दीन लोगों का हक मारें, कि वे विधवाओं को लूटें और अनाथों का माल अपना लें!” यशायाह 10:1–2 (IRV)। “तब फ़िरौन ने अपनी सारी प्रजा के लोगों को आज्ञा दी, “इब्रियों के जितने बेटे उत्पन्न हों उन सभी को तुम नील नदी में डाल देना, और सब बेटियों को जीवित रख छोड़ना।”” निर्गमन 1:22 (IRV)। “हामान ने राजा क्षयर्ष से कहा, “तेरे राज्य के सब प्रान्तों में रहनेवाले देश-देश के लोगों के मध्य में तितर-बितर और छिटकी हुई एक जाति है, जिसके नियम और सब लोगों के नियमों से भिन्न हैं; और वे राजा के कानून पर नहीं चलते, इसलिए उन्हें रहने देना राजा को लाभदायक नहीं है। यदि राजा को स्वीकार हो तो उन्हें नष्ट करने की आज्ञा लिखी जाए, और मैं राजा के भण्डारियों के हाथ में राजभण्डार में पहुँचाने के लिये, दस हजार किक्कार चाँदी दूँगा।”” एस्तेर 3:8–9 (IRV)। “राज्य के सब प्रान्तों में इस आशय की चिट्ठियाँ हर डाकियों के द्वारा भेजी गई कि एक ही दिन में, अर्थात् अदार नामक बारहवें महीने के तेरहवें दिन को, क्या जवान, क्या बूढ़ा, क्या स्त्री, क्या बालक, सब यहूदी घात और नाश किए जाएँ; और उनकी धन-सम्पत्ति लूट ली जाए।” एस्तेर 3:13 (IRV)। “तब ढिंढोरिये ने ऊँचे शब्द से पुकारकर कहा, “हे देश-देश और जाति-जाति के लोगों, और भिन्न-भिन्न भाषा बोलनेवालो, तुम को यह आज्ञा सुनाई जाती है कि, जिस समय तुम नरसिंगे, बाँसुरी, वीणा, सारंगी, सितार, शहनाई आदि सब प्रकार के बाजों का शब्द सुनो, तुम उसी समय गिरकर नबूकदनेस्सर राजा की खड़ी कराई हुई सोने की मूरत को दण्डवत् करो। और जो कोई गिरकर दण्डवत् न करेगा वह उसी घड़ी धधकते हुए भट्ठे के बीच में डाल दिया जाएगा।”” दानिय्येल 3:4–6 (IRV)। “तब अध्यक्ष और अधिपति राजकार्य के विषय में दानिय्येल के विरुद्ध दोष ढूँढ़ने लगे; परन्तु वह विश्वासयोग्य था, और उसके काम में कोई भूल या दोष न निकला, और वे ऐसा कोई अपराध या दोष न पा सके। तब वे लोग कहने लगे, “हम उस दानिय्येल के परमेश्वर की व्यवस्था को छोड़ और किसी विषय में उसके विरुद्ध कोई दोष न पा सकेंगे।” तब वे अध्यक्ष और अधिपति राजा के पास उतावली से आए, और उससे कहा, “हे राजा दारा, तू युग-युग जीवित रहे। राज्य के सारे अध्यक्षों ने, और हाकिमों, अधिपतियों, न्यायियों, और राज्यपालों ने आपस में सम्मति की है, कि राजा ऐसी आज्ञा दे और ऐसी कड़ी आज्ञा निकाले, कि तीस दिन तक जो कोई, हे राजा, तुझे छोड़ किसी और मनुष्य या देवता से विनती करे, वह सिंहों की माँद में डाल दिया जाए।” दानिय्येल 6:4–7 (IRV)। “यहूदियों ने उसको उत्तर दिया, “हमारी भी व्यवस्था है और उस व्यवस्था के अनुसार वह मारे

जाने के योग्य है क्योंकि उसने अपने आपको परमेश्वर का पुत्र बताया।"" यूहन्ना 19:7 (IRV)। "परन्तु इसलिए कि यह बात लोगों में और अधिक फैल न जाए, हम उन्हें धमकाएँ, कि वे इस नाम से फिर किसी मनुष्य से बातें न करें।" तब पतरस और यूहन्ना को बुलाया और चेतावनी देकर यह कहा, "यीशु के नाम से कुछ भी न बोलना और न सिखाना।" प्रेरितों के काम 4:17–18 (IRV)। "और उन्हें न पाकर, वे यह चिल्लाते हुए यासोन और कुछ भाइयों को नगर के हाकिमों के सामने खींच लाए, "ये लोग जिन्होंने जगत को उलटा पुलटा कर दिया है, यहाँ भी आए हैं। और यासोन ने उन्हें अपने यहाँ ठहराया है, और ये सब के सब यह कहते हैं कि यीशु राजा है, और कैसर की आज्ञाओं का विरोध करते हैं।"" प्रेरितों के काम 17:6–7 (IRV)। "क्योंकि, जो पहले कभी नहीं हुआ, भक्तों की जाति अब नए आदेशों के द्वारा आसिया में खदेड़ी जाकर सताव सह रही है। क्योंकि निर्लज्ज मुखबिर और दूसरों की सम्पत्ति के लालची, इन आदेशों से अवसर पाकर, दिन-रात खुलेआम लूटपाट करते हैं, और उन लोगों को लूटते हैं जो किसी अपराध के दोषी नहीं हैं।" (NPNF2 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) सार्दीस के मेलितो, यूसेबियस द्वारा उद्धृत, कलीसियाई इतिहास 4.26.5, अनु. Arthur Cushman McGiffert, Nicene and Post-Nicene Fathers, द्वितीय शृंखला, खंड 1, सं. Philip Schaff और Henry Wace (New York: Christian Literature Publishing, 1890) में। "इस न्याय का आधार क्या है? तुमने इस मनुष्य को दण्ड क्यों दिया है, जो न व्यभिचारी है, न वेश्यागामी, न हत्यारा, न चोर, न डाकू, और न किसी भी अपराध का दोषी सिद्ध हुआ है, परन्तु जिसने केवल यह स्वीकार किया है कि वह मसीही नाम से पुकारा जाता है?" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) शहीद जस्टिन, दूसरा प्रतिवाद, अध्याय 2, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में। "वह उन्हें निर्दोष के रूप में खोजे जाने से रोकता है, और आज्ञा देता है कि उन्हें दोषियों के रूप में दण्ड दिया जाए।" (ANF 3 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) तर्तुल्लियन, प्रतिवाद, अध्याय 2, अनु. S. Thelwall, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 3 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

5

नीचे दिए गए प्रमाण दर्शाते हैं कि कब कानून का प्रयोग धार्मिक उद्देश्य के लिये होता है, अर्थात निर्दोष जीवन की रक्षा के लिये, और सम्पत्ति की चोरी तथा अधर्म के अन्य कामों से बचाने के लिये, जो दूसरे लोगों को हानि पहुँचाते हैं या नागरिकों के जीवन में अस्थिरता और असुरक्षा उत्पन्न करते हैं। इसकी तुलना उस स्थिति से की जानी चाहिए जब कानून को जनता के विरुद्ध हथियार के रूप में प्रयोग किया जाता है, ताकि नागरिकों की हानि पर शासक वर्ग मोटा हो, नागरिकों पर अत्याचार हो और उनके परमेश्वर-प्रदत्त अधिकार चुरा लिए जाएँ, और परिणाम यह हो कि उन थोड़े से लोगों के लाभ के लिये, जो इस संसार के ईश्वर को स्वामी कहते हैं, नागरिक पूरी तरह दास बना दिए जाएँ ("...उन अविश्वासियों के लिये, जिनकी बुद्धि इस संसार के ईश्वर ने अंधी कर दी है..." 2 कुरिन्थियों 4:4 (IRV))। "क्योंकि अधिपति अच्छे काम के नहीं, परन्तु बुरे काम के लिये डर का कारण है; क्या तू अधिपति से निडर रहना चाहता है, तो अच्छा काम कर और उसकी ओर से तेरी सराहना होगी; क्योंकि वह तेरी भलाई के लिये परमेश्वर का सेवक है। परन्तु यदि तू बुराई करे, तो डर; क्योंकि वह तलवार व्यर्थ लिए हुए नहीं और परमेश्वर का सेवक है; कि उसके क्रोध के अनुसार बुरे काम करनेवाले को दण्ड दे।" रोमियों 13:3–4 (IRV)। "प्रभु के लिये मनुष्यों के ठहराए हुए हर एक प्रबन्ध के अधीन रहो, राजा के इसलिए कि वह सब पर प्रधान है, और राज्यपालों के, क्योंकि वे कुकर्मियों को दण्ड देने और सुकर्मियों की प्रशंसा के लिये उसके भेजे हुए हैं।" 1 पतरस 2:13–14 (IRV)। "अब मैं सबसे पहले यह आग्रह करता हूँ, कि विनती, प्रार्थना, निवेदन, धन्यवाद, सब मनुष्यों के लिये किए जाएँ। राजाओं और सब ऊँचे पदवालों के निमित्त इसलिए कि हम विश्राम और चैन के साथ सारी भक्ति और गरिमा में जीवन बिताएँ।" 1 तीमुथियुस 2:1–2 (IRV)। "तू अपने एक-एक गोत्र में से, अपने सब फाटकों के भीतर जिन्हें तेरा परमेश्वर यहोवा तुझको देता है न्यायी और सरदार नियुक्त कर लेना, जो लोगों का न्याय धार्मिकता से किया करें। तुम न्याय न बिगाड़ना; तू न तो पक्षपात करना; और न तो घूस लेना, क्योंकि घूस बुद्धिमान की आँखें अंधी कर देती है, और धर्मियों की बातें पलट देती है। जो कुछ नितान्त ठीक है उसी का पीछा करना, जिससे तू जीवित रहे, और जो देश तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे देता है उसका अधिकारी बना रहे।" व्यवस्थाविवरण 16:18–20 (IRV)।

आरम्भिक कलीसिया

"इसलिए पार्थिव शासन जातियों के लाभ के लिये परमेश्वर द्वारा ठहराया गया है, न कि शैतान द्वारा, जो कभी विश्राम नहीं करता, वरन् जिसे यह भी अच्छा नहीं लगता कि जातियाँ शान्त रीति से आचरण करें; ताकि मानवीय शासन के भय से मनुष्य मछलियों की नाई एक दूसरे को

खा न जाएँ, परन्तु कानूनों की स्थापना के द्वारा वे जातियों के बीच दुष्टता की अधिकता को दबाए रखें।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) ल्योन के इरेनियस, विधर्मों के विरुद्ध 5.24.2, अनु. Alexander Roberts और William Rambaut, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में। "क्योंकि साहस, जो युद्ध में अपने देश को बर्बरों से बचाता है, या घर में निर्बलों की, या साथियों की डाकुओं से रक्षा करता है, न्याय से भरा है..." (NPNF2 10 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) मिलान के एम्ब्रोस, पादरियों के कर्तव्यों के विषय में 1.27.129, अनु. H. de Romestin, Nicene and Post-Nicene Fathers, द्वितीय श्रृंखला, खंड 10, सं. Philip Schaff और Henry Wace (New York: Christian Literature Publishing, 1896) में।

6

"झूठे भविष्यद्वक्ताओं से सावधान रहो, जो भेड़ों के भेष में तुम्हारे पास आते हैं, परन्तु अन्तर में फाड़नेवाले भेड़िए हैं।" मत्ती 7:15 (IRV)। "बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बहुतों को बहकाएँगे।" मत्ती 24:11 (IRV)। "क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बड़े चिन्ह और अद्भुत काम दिखाएँगे, कि यदि हो सके तो चुने हुओं को भी बहका दें।" मत्ती 24:24 (IRV)। "मुझे आश्चर्य होता है, कि जिसने तुम्हें मसीह के अनुग्रह से बुलाया उससे तुम इतनी जल्दी फिरकर और ही प्रकार के सुसमाचार की ओर झुकने लगे। परन्तु वह दूसरा सुसमाचार है ही नहीं पर बात यह है, कि कितने ऐसे हैं, जो तुम्हें घबरा देते, और मसीह के सुसमाचार को बिगाड़ना चाहते हैं। परन्तु यदि हम या स्वर्ग से कोई दूत भी उस सुसमाचार को छोड़ जो हमने तुम को सुनाया है, कोई और सुसमाचार तुम्हें सुनाए, तो श्रापित हो।" गलातियों 1:6–8 (IRV)। "यदि कोई तुम्हारे पास आकर, किसी दूसरे यीशु का प्रचार करे, जिसका प्रचार हमने नहीं किया या कोई और आत्मा तुम्हें मिले; जो पहले न मिला था; या और कोई सुसमाचार जिसे तुम ने पहले न माना था, तो तुम्हारा सहना ठीक होता।" 2 कुरिन्थियों 11:4 (IRV)। "क्योंकि ऐसे लोग झूठे प्रेरित, और छल से काम करनेवाले, और मसीह के प्रेरितों का रूप धरनेवाले हैं। और यह कुछ अचम्भे की बात नहीं क्योंकि शैतान आप भी ज्योतिर्मय स्वर्गदूत का रूप धारण करता है। इसलिए यदि उसके सेवक भी धार्मिकता के सेवकों जैसा रूप धरें, तो कुछ बड़ी बात नहीं, परन्तु उनका अन्त उनके कामों के अनुसार होगा।" 2 कुरिन्थियों 11:13–15 (IRV)। "मैं जानता हूँ, कि मेरे जाने के बाद फाड़नेवाले भेड़िए तुम में आएँगे, जो झुण्ड को न छोड़ेंगे। तुम्हारे ही बीच में से भी ऐसे-ऐसे मनुष्य उठेंगे, जो चेलों को अपने पीछे खींच लेने को टेढ़ी-मेढ़ी बातें कहेंगे।" प्रेरितों के काम 20:29–30 (IRV)। "जिस प्रकार उन लोगों में झूठे भविष्यद्वक्ता थे उसी प्रकार तुम में भी झूठे उपदेशक होंगे, जो नाश करनेवाले पाखण्ड का उद्घाटन छिप छिपकर करेंगे और उस प्रभु का जिसने उन्हें मोल लिया है इन्कार करेंगे और अपने आपको शीघ्र विनाश में डाल देंगे।" 2 पतरस 2:1 (IRV)। "हे प्रियों, हर एक आत्मा पर विश्वास न करो: वरन् आत्माओं को परखो, कि वे परमेश्वर की ओर से हैं कि नहीं; क्योंकि बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता जगत में निकल खड़े हुए हैं।" 1 यूहन्ना 4:1 (IRV)। "क्योंकि ऐसा समय आएगा, कि लोग खरा उपदेश न सह सकेंगे पर कानों की खुजली के कारण अपनी अभिलाषाओं के अनुसार अपने लिये बहुत सारे उपदेशक बटोर लेंगे। और अपने कान सत्य से फेरकर कथा-कहानियों पर लगाएँगे।" 2 तीमुथियुस 4:3–4 (IRV)। "मैं तेरे काम, और तेरे परिश्रम, और तेरे धीरज को जानता हूँ; और यह भी कि तू बुरे लोगों को तो देख नहीं सकता; और जो अपने आपको प्रेरित कहते हैं, और हैं नहीं, उन्हें तूने परखकर झूठा पाया।" प्रकाशितवाक्य 2:2 (IRV)।

आरम्भिक कलीसिया

"परन्तु हर कोई जो आत्मा में बोलता है, भविष्यद्वक्ता नहीं है; केवल वही है, जो प्रभु की रीतियों को थामे रहता है। इसलिए उनकी रीतियों से झूठा भविष्यद्वक्ता और भविष्यद्वक्ता पहचाने जाएँगे।" (ANF 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) दिदाखे, अध्याय 11, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 7 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1886) में।

7

"परन्तु आत्मा स्पष्टता से कहता है कि आनेवाले समयों में कितने लोग भरमानेवाली आत्माओं, और दुष्टात्माओं की शिक्षाओं पर मन लगाकर विश्वास से बहक जाएँगे, यह उन झूठे मनुष्यों के कपट के कारण होगा, जिनका विवेक मानो जलते हुए लोहे से दागा गया है..." 1 तीमुथियुस 4:1–2 (IRV)। "किसी पाखण्डी को एक दो बार समझा बुझाकर उससे अलग रह। यह जानकर कि ऐसा मनुष्य भटक गया है, और अपने

आपको दोषी ठहराकर पाप करता रहता है।" तीतुस 3:10–11 (IRV)। "अब हे भाइयों, मैं तुम से विनती करता हूँ, कि जो लोग उस शिक्षा के विपरीत जो तुम ने पाई है, फूट डालने, और ठोकर खिलाने का कारण होते हैं, उनसे सावधान रहो; और उनसे दूर रहो। क्योंकि ऐसे लोग हमारे प्रभु मसीह की नहीं, परन्तु अपने पेट की सेवा करते है; और चिकनी चुपड़ी बातों से सीधे सादे मन के लोगों को बहका देते हैं।" रोमियों 16:17–18 (IRV)। "हे प्रियों, जब मैं तुम्हें उस उद्धार के विषय में लिखने में अत्यन्त परिश्रम से प्रयत्न कर रहा था, जिसमें हम सब सहभागी हैं; तो मैंने तुम्हें यह समझाना आवश्यक जाना कि उस विश्वास के लिये पूरा यत्न करो जो पवित्र लोगों को एक ही बार सौंपा गया था।" यहूदा 3 (IRV)। "इसलिए मैं तुम से कहता हूँ, कि मनुष्य का सब प्रकार का पाप और निन्दा क्षमा की जाएगी, पर पवित्र आत्मा की निन्दा क्षमा न की जाएगी।" मत्ती 12:31 (IRV)। "बड़े बोल बोलने और निन्दा करने के लिये उसे एक मुँह दिया गया, और उसे बयालीस महीने तक काम करने का अधिकार दिया गया। और उसने परमेश्वर की निन्दा करने के लिये मुँह खोला, कि उसके नाम और उसके तम्बू अर्थात् स्वर्ग के रहनेवालों की निन्दा करे।" प्रकाशितवाक्य 13:5–6 (IRV)। "इसलिए मैं, तौभी मैं नहीं, परन्तु यीशु मसीह का प्रेम, तुमसे विनती करता है कि तुम केवल मसीही भोजन ही ग्रहण करो, और दूसरी प्रकार की घास-पात से, अर्थात विधर्म से, दूर रहो। क्योंकि [जो इसमें लगे रहते हैं] वे यीशु मसीह को अपने विष के साथ मिला देते हैं, और ऐसी बातें कहते हैं जो विश्वास के योग्य नहीं, उन लोगों के समान जो मीठी दाखमधु में घातक विष मिलाकर देते हैं, जिसे अनजान व्यक्ति लालच से ले लेता है, और एक घातक आनन्द उसे उसकी अपनी मृत्यु तक ले जाता है।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) अन्ताकिया के इग्नेशियस, त्रालेस के लोगों के नाम पत्री, अध्याय 6, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

आरम्भिक कलीसिया

"भ्रम कभी अपनी नंगी कुरूपता में प्रस्तुत नहीं किया जाता, कहीं ऐसा न हो कि इस प्रकार प्रगट होकर वह तुरन्त पकड़ा जाए।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) ल्योन के इरेनियस, विधर्मों के विरुद्ध 1, प्रस्तावना, खंड 2, अनु. Alexander Roberts और William Rambaut, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

8

"धन्य हैं वे, जो धार्मिकता के कारण सताए जाते हैं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है। "धन्य हो तुम, जब मनुष्य मेरे कारण तुम्हारी निन्दा करें और सताएँ और झूठ बोल बोलकर तुम्हारे विरोध में सब प्रकार की बुरी बात कहें। आनन्दित और मगन होना क्योंकि तुम्हारे लिये स्वर्ग में बड़ा प्रतिफल है। इसलिए कि उन्होंने उन भविष्यद्वक्ताओं को जो तुम से पहले थे इसी रीति से सताया था।" मत्ती 5:10–12 (IRV)। "मेरे नाम के कारण सब लोग तुम से बैर करेंगे, पर जो अन्त तक धीरज धरेगा उसी का उद्धार होगा।" मत्ती 10:22 (IRV)। "जो बात मैंने तुम से कही थी, 'दास अपने स्वामी से बड़ा नहीं होता,' उसको याद रखो यदि उन्होंने मुझे सताया, तो तुम्हें भी सताएँगे; यदि उन्होंने मेरी बात मानी, तो तुम्हारी भी मानेंगे।" यूहन्ना 15:20 (IRV)। "वे तुम्हें आराधनालयों में से निकाल देंगे, वरन् वह समय आता है, कि जो कोई तुम्हें मार डालेगा यह समझेगा कि मैं परमेश्वर की सेवा करता हूँ।" यूहन्ना 16:2 (IRV)। "और वे स्तिफनुस को पथराव करते रहे, और वह यह कहकर प्रार्थना करता रहा, "हे प्रभु यीशु, मेरी आत्मा को ग्रहण कर।" फिर घुटने टेककर ऊँचे शब्द से पुकारा, "हे प्रभु, यह पाप उन पर मत लगा।" और यह कहकर सो गया।" प्रेरितों के काम 7:59–60 (IRV)। "उस समय हेरोदेस राजा ने कलीसिया के कई एक व्यक्तियों को दुःख देने के लिये उन पर हाथ डाले। उसने यूहन्ना के भाई याकूब को तलवार से मरवा डाला।" प्रेरितों के काम 12:1–2 (IRV)। "दूसरे लोग तो उपहास में उड़ाए जाने; और कोड़े खाने; वरन् बाँधे जाने; और कैद में पड़ने के द्वारा परखे गए। पथराव किए गए; आरे से चीरे गए; उनकी परीक्षा की गई; तलवार से मारे गए; वे कंगाली में और क्लेश में और दुःख भोगते हुए भेड़ों और बकरियों की खालें ओढ़े हुए, इधर-उधर मारे-मारे फिरे।" इब्रानियों 11:36–37 (IRV)। "पर जितने मसीह यीशु में भक्ति के साथ जीवन बिताना चाहते हैं वे सब सताए जाएँगे।" 2 तीमुथियुस 3:12 (IRV)। "जो दुःख तुझको झेलने होंगे, उनसे मत डर: क्योंकि, शैतान तुम में से कुछ को जेलखाने में डालने पर है ताकि तुम परखे जाओ; और तुम्हें दस दिन तक क्लेश उठाना होगा। प्राण देने तक विश्वासयोग्य रह; तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूँगा।" प्रकाशितवाक्य 2:10 (IRV)। "जब उसने पाँचवी मुहर खोली, तो मैंने वेदी के नीचे उनके प्राणों को देखा, जो परमेश्वर के वचन के कारण, और उस गवाही के कारण जो उन्होंने दी थी, वध किए गए थे।" प्रकाशितवाक्य 6:9 (IRV)। "और वे मेम्ने के लहू के कारण, और अपनी गवाही के वचन के कारण, उस पर जयवन्त हुए, क्योंकि उन्होंने अपने प्राणों को प्रिय न जाना, यहाँ तक कि मृत्यु भी सह ली।" प्रकाशितवाक्य 12:11 (IRV)। "...मसीहियों को सिंह के आगे डालो!"

(ANF 3 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) तर्तुल्लियन, प्रतिवाद, अध्याय 40, अनु. S. Thelwall, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 3 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में। "जितनी बार तुम हमें काटकर गिराते हो, उतना ही अधिक हमारी गिनती बढ़ती है; मसीहियों का लहू बीज है।" (ANF 3 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) तर्तुल्लियन, प्रतिवाद, अध्याय 50, अनु. S. Thelwall, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 3 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

9

"यहोवा परमेश्वर ने जितने जंगली पशु बनाए थे, उन सब में सर्प धूर्त था, और उसने स्त्री से कहा, "क्या सच है, कि परमेश्वर ने कहा, 'तुम इस वाटिका के किसी वृक्ष का फल न खाना'?"" उत्पत्ति 3:1 (IRV)। "परन्तु मैं डरता हूँ कि जैसे साँप ने अपनी चतुराई से हव्वा को बहकाया, वैसे ही तुम्हारे मन उस सिधाई और पवित्रता से जो मसीह के साथ होनी चाहिए कहीं भ्रष्ट न किए जाएँ।" 2 कुरिन्थियों 11:3 (IRV)। "और यह कुछ अचम्भे की बात नहीं क्योंकि शैतान आप भी ज्योतिर्मय स्वर्गदूत का रूप धारण करता है।" 2 कुरिन्थियों 11:14 (IRV)। "और दूसरे दिन लोगों ने भोर को उठकर होमबलि चढ़ाए, और मेलबलि ले आए; फिर बैठकर खाया पिया, और उठकर खेलने लगे।" निर्गमन 32:6 (IRV)। "और न तुम मूरत पूजनेवाले बनो; जैसे कि उनमें से कितने बन गए थे, जैसा लिखा है, "लोग खाने-पीने बैठे, और खेलने-कूदने उठे।"" 1 कुरिन्थियों 10:7 (IRV)। "इस्राएली शित्तीम में रहते थे, और वे लोग मोआबी लड़कियों के संग कुकर्म करने लगे। और जब उन स्त्रियों ने उन लोगों को अपने देवताओं के यज्ञों में नेवता दिया, तब वे लोग खाकर उनके देवताओं को दण्डवत् करने लगे।" गिनती 25:1–2 (IRV)। "पर मुझे तेरे विरुद्ध कुछ बातें कहनी हैं, क्योंकि तेरे यहाँ कुछ तो ऐसे हैं, जो बिलाम की शिक्षा को मानते हैं, जिसने बालाक को इस्राएलियों के आगे ठोकर का कारण रखना सिखाया, कि वे मूर्तियों पर चढ़ाई गई वस्तुएँ खाएँ, और व्यभिचार करें।" प्रकाशितवाक्य 2:14 (IRV)। "पर जब हेरोदेस का जन्मदिन आया, तो हेरोदियास की बेटी ने उत्सव में नाच दिखाकर हेरोदेस को खुश किया। इसलिए उसने शपथ खाकर वचन दिया, "जो कुछ तू माँगेगी, मैं तुझे दूँगा।" वह अपनी माता के उकसाने से बोली, "यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले का सिर थाल में यहीं मुझे मँगवा दे।" राजा दुःखित हुआ, पर अपनी शपथ के, और साथ बैठनेवालों के कारण, आज्ञा दी, कि दे दिया जाए। और उसने जेलखाने में लोगों को भेजकर यूहन्ना का सिर कटवा दिया।" मत्ती 14:6–10 (IRV)। "...पूरी तरह शैतान के लिये ही स्थापित किए गए थे..." (ANF 3 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) तर्तुल्लियन, तमाशों के विषय में, या De Spectaculis, अध्याय 24, अनु. S. Thelwall, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 3 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में। "आरम्भ में रंगमंच वास्तव में वीनस का मन्दिर था..." "ये दोनों दुष्ट आत्माएँ मतवालेपन और कामुकता के संरक्षकों के रूप में आपस में शपथबद्ध गठबंधन में हैं।" (ANF 3 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) तर्तुल्लियन, De Spectaculis, अध्याय 10, अनु. S. Thelwall, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 3 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में। "...निर्लज्जता का अपना निज निवास..." जहाँ "किसी बात का सम्मान नहीं होता सिवाय उसके जो अन्य स्थानों में अपमानजनक है।" (ANF 3 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) तर्तुल्लियन, De Spectaculis, अध्याय 17, अनु. S. Thelwall, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 3 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में। "नाटक भी मुझे खींच ले गए, जो मेरे दुःखों के चित्रणों से और मेरी आग के ईंधन से भरे थे। मनुष्य ऐसे शोकपूर्ण और दुःखान्त दृश्यों को देखकर क्यों दुःखी होना चाहता है, जिन्हें वह स्वयं किसी भी प्रकार सहना नहीं चाहेगा?" (NPNF1 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) ऑगस्टीन, स्वीकारोक्तियाँ 3.2.2, अनु. J. G. Pilkington, Nicene and Post-Nicene Fathers, प्रथम श्रृंखला, खंड 1, सं. Philip Schaff (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1886) में। "...कुछ लोग हमें छोड़ गए हैं, और घुड़दौड़ के तमाशे के लिये हमें त्याग दिया है..." "...क्या तुम शैतान के बन्दी के रूप में घसीटकर उस तमाशे में ले जाए गए थे?" "...शैतान इस झुण्ड को सता रहा है..." (Mark Vermes के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) यूहन्ना क्रिसोस्तम, सर्कसों और रंगमंच के विरुद्ध (Contra ludos et theatra), अनु. Mark Vermes (2012), सार्वजनिक डोमेन में जारी, The Tertullian Project, tertullian.org। एल्विरा की परिषद में "यह निर्णय किया गया कि अभिनेताओं को बपतिस्मा दिया जा सकता है, परन्तु केवल इस शर्त पर कि वे जीवन का वह मार्ग छोड़ दें," और आर्ल की परिषद (314) में "theatrici और agitatores (खेलों के अभिनेता और रथ-चालक) बहिष्कृत घोषित किए गए।" (The Catholic Encyclopedia के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) Herbert Thurston, "Theatre," The Catholic Encyclopedia, खंड 14 (New York: Robert Appleton Company, 1912) में। "चलचित्र की शक्ति इस बात में है कि वह सजीव और ठोस चित्रों के माध्यम से बोलता है।" "वे पाप के

अवसर हैं; वे वासनाओं का महिमामंडन करके युवाओं को बुराई के मार्गों पर बहका ले जाते हैं।" "...चलचित्र अब भ्रष्टाचार की पाठशाला न रहे।" (अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) पोप पायस XI, Vigilanti Cura, चलचित्रों पर विश्वपत्र, 29 जून 1936 (Vatican City: Libreria Editrice Vaticana), vatican.va।

10

पतरस की दृष्टि मसीह पर, फिर आँधी पर

"पतरस ने उसको उत्तर दिया, "हे प्रभु, यदि तू ही है, तो मुझे अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे।" उसने कहा, "आ!" तब पतरस नाव पर से उतरकर यीशु के पास जाने को पानी पर चलने लगा। पर हवा को देखकर डर गया, और जब डूबने लगा तो चिल्लाकर कहा, "हे प्रभु, मुझे बचा।" यीशु ने तुरन्त हाथ बढ़ाकर उसे थाम लिया, और उससे कहा, "हे अल्प विश्वासी, तूने क्यों सन्देह किया?"" मत्ती 14:28–31 (IRV)। "इस कारण जबकि गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हमको घेरे हुए है, तो आओ, हर एक रोकनेवाली वस्तु, और उलझानेवाले पाप को दूर करके, वह दौड़ जिसमें हमें दौड़ना है, धीरज से दौड़ें। और विश्वास के कर्ता और सिद्ध करनेवाले यीशु की ओर ताकते रहें; जिसने उस आनन्द के लिये जो उसके आगे धरा था, लज्जा की कुछ चिन्ता न करके, क्रूस का दुःख सहा; और सिंहासन पर परमेश्वर के दाहिने जा बैठा।" इब्रानियों 12:1–2 (IRV)।

सांसारिकता और क्रूस पर पौलुस

"क्योंकि अनेक लोग ऐसी चाल चलते हैं, जिनकी चर्चा मैंने तुम से बार बार की है और अब भी रो-रोकर कहता हूँ, कि वे अपनी चाल-चलन से मसीह के क्रूस के बैरी हैं, उनका अन्त विनाश है, उनका ईश्वर पेट है, वे अपनी लज्जा की बातों पर घमण्ड करते हैं, और पृथ्वी की वस्तुओं पर मन लगाए रहते हैं।" फिलिप्पियों 3:18–19 (IRV)। "हे भाइयों, मेरी भावना यह नहीं कि मैं पकड़ चुका हूँ; परन्तु केवल यह एक काम करता हूँ, कि जो बातें पीछे रह गई हैं उनको भूलकर, आगे की बातों की ओर बढ़ता हुआ, निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूँ, ताकि वह इनाम पाऊँ, जिसके लिये परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।" फिलिप्पियों 3:13–14 (IRV)। "पर ऐसा न हो, कि मैं और किसी बात का घमण्ड करूँ, केवल हमारे प्रभु यीशु मसीह के क्रूस का जिसके द्वारा संसार मेरी दृष्टि में और मैं संसार की दृष्टि में क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ।" गलातियों 6:14 (IRV)। "क्योंकि मैंने यह ठान लिया था, कि तुम्हारे बीच यीशु मसीह, वरन् क्रूस पर चढ़ाए हुए मसीह को छोड़ और किसी बात को न जानूँ।" 1 कुरिन्थियों 2:2 (IRV)। "तो जब तुम मसीह के साथ जिलाए गए, तो स्वर्गीय वस्तुओं की खोज में रहो, जहाँ मसीह विद्यमान है और परमेश्वर के दाहिनी ओर विराजमान है। पृथ्वी पर की नहीं परन्तु स्वर्गीय वस्तुओं पर ध्यान लगाओ।" कुलुस्सियों 3:1–2 (IRV)। "और इस संसार के सदृश्य न बनो; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नये हो जाने से तुम्हारा चाल-चलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।" रोमियों 12:2 (IRV)। "और हम तो देखी हुई वस्तुओं को नहीं परन्तु अनदेखी वस्तुओं को देखते रहते हैं, क्योंकि देखी हुई वस्तुएँ थोड़े ही दिन की हैं, परन्तु अनदेखी वस्तुएँ सदा बनी रहती हैं।" 2 कुरिन्थियों 4:18 (IRV)। "क्योंकि देमास ने इस संसार को प्रिय जानकर मुझे छोड़ दिया है..." 2 तीमुथियुस 4:10 (IRV)। "जब कोई योद्धा लड़ाई पर जाता है, तो इसलिए कि अपने वरिष्ठ अधिकारी को प्रसन्न करे, अपने आपको संसार के कामों में नहीं फँसाता" 2 तीमुथियुस 2:4 (IRV)। "कि शैतान का हम पर दाँव न चले, क्योंकि हम उसकी युक्तियों से अनजान नहीं।" 2 कुरिन्थियों 2:11 (IRV)।

संसार के प्रेम पर यूहन्ना और याकूब

"तुम न तो संसार से और न संसार की वस्तुओं से प्रेम रखो यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उसमें पिता का प्रेम नहीं है। क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की अभिलाषा, और आँखों की अभिलाषा और जीविका का घमण्ड, वह पिता की ओर से नहीं, परन्तु संसार ही की ओर से है। संसार और उसकी अभिलाषाएँ दोनों मिटते जाते हैं, पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहेगा।" 1 यूहन्ना 2:15–17 (IRV)। "हे व्यभिचारिणियों, क्या तुम नहीं जानतीं, कि संसार से मित्रता करनी परमेश्वर से बैर करना है? इसलिए जो कोई संसार का मित्र होना चाहता है, वह अपने आपको परमेश्वर का बैरी बनाता है।" याकूब 4:4 (IRV)।

मसीह की चेतावनियाँ

"...हे शैतान, मेरे सामने से दूर हो! तू मेरे लिये ठोकर का कारण है; क्योंकि तू परमेश्वर की बातें नहीं, पर मनुष्यों की बातों पर मन लगाता है।" मत्ती 16:23 (IRV)। "अपने लिये पृथ्वी पर धन इकट्ठा न करो; जहाँ कीड़ा और काई बिगाड़ते हैं, और जहाँ चोर सेंध लगाते और चुराते हैं। परन्तु अपने लिये स्वर्ग में धन इकट्ठा करो, जहाँ न तो कीड़ा, और न काई बिगाड़ते हैं, और जहाँ चोर न सेंध लगाते और न चुराते हैं। क्योंकि जहाँ तेरा धन है वहाँ तेरा मन भी लगा रहेगा।" मत्ती 6:19–21 (IRV)। "कोई मनुष्य दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता, क्योंकि वह एक से बैर और दूसरे से प्रेम रखेगा, या एक से निष्ठावान रहेगा और दूसरे का तिरस्कार करेगा। तुम परमेश्वर और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते।" मत्ती 6:24 (IRV)। "इसलिए पहले तुम परमेश्वर के राज्य और धार्मिकता की खोज करो तो ये सब वस्तुएँ तुम्हें मिल जाएँगी।" मत्ती 6:33 (IRV)। "जो झाड़ियों में बोया गया, यह वह है, जो वचन को सुनता है, पर इस संसार की चिन्ता और धन का धोखा वचन को दबाता है, और वह फल नहीं लाता।" मत्ती 13:22 (IRV)। "जो झाड़ियों में गिरा, यह वे हैं, जो सुनते हैं, पर आगे चलकर चिन्ता और धन और जीवन के सुख-विलास में फँस जाते हैं, और उनका फल नहीं पकता।" लूका 8:14 (IRV)। "इसलिए सावधान रहो, ऐसा न हो कि तुम्हारे मन खुमार और मतवालेपन, और इस जीवन की चिन्ताओं से सुस्त हो जाएँ, और वह दिन तुम पर फंदे के समान अचानक आ पड़े।" लूका 21:34 (IRV)। "...मार्था, हे मार्था; तू बहुत बातों के लिये चिन्ता करती और घबराती है। परन्तु एक बात अवश्य है, और उस उत्तम भाग को मरियम ने चुन लिया है: जो उससे छीना न जाएगा।" लूका 10:41–42 (IRV)। "क्योंकि जैसे जल-प्रलय से पहले के दिनों में, जिस दिन तक कि नूह जहाज पर न चढ़ा, उस दिन तक लोग खाते-पीते थे, और उनमें विवाह-शादी होती थी। और जब तक जल-प्रलय आकर उन सब को बहा न ले गया, तब तक उनको कुछ भी मालूम न पड़ा; वैसे ही मनुष्य के पुत्र का आना भी होगा।" मत्ती 24:38–39 (IRV)। "...जो कोई अपना हाथ हल पर रखकर पीछे देखता है, वह परमेश्वर के राज्य के योग्य नहीं।" लूका 9:62 (IRV)। "पर वे सब के सब क्षमा माँगने लगे, पहले ने उससे कहा, 'मैंने खेत मोल लिया है, और अवश्य है कि उसे देखूँ; मैं तुझ से विनती करता हूँ, मुझे क्षमा कर दे।' दूसरे ने कहा, 'मैंने पाँच जोड़े बैल मोल लिए हैं, और उन्हें परखने जा रहा हूँ; मैं तुझ से विनती करता हूँ, मुझे क्षमा कर दे।' एक और ने कहा, 'मैंने विवाह किया है, इसलिए मैं नहीं आ सकता।'" लूका 14:18–20 (IRV)। "लूत की पत्नी को स्मरण रखो!" लूका 17:32 (IRV)। "लूत की पत्नी ने जो उसके पीछे थी पीछे मुड़कर देखा, और वह नमक का खम्भा बन गई।" उत्पत्ति 19:26 (IRV)। "...क्या तुम मेरे साथ एक घण्टे भर न जाग सके? जागते रहो, और प्रार्थना करते रहो, कि तुम परीक्षा में न पड़ो! आत्मा तो तैयार है, परन्तु शरीर दुर्बल है।" मत्ती 26:40–41 (IRV)। "इसलिए हम औरों की समान सोते न रहें, पर जागते और सावधान रहें।" 1 थिस्सलुनीकियों 5:6 (IRV)।

ध्यान भटका रहा, और शत्रु ने वार किया

"पर जब लोग सो रहे थे तो उसका बैरी आकर गेहूँ के बीच जंगली बीज बोकर चला गया।" मत्ती 13:25 (IRV)। "फिर जिस समय राजा लोग युद्ध करने को निकला करते हैं, उस समय, अर्थात् वर्ष के आरम्भ में दाऊद ने योआब को, और उसके संग अपने सेवकों और समस्त इस्राएलियों को भेजा; और उन्होंने अम्मोनियों का नाश किया, और रब्बाह नगर को घेर लिया। परन्तु दाऊद यरूशलेम में रह गया। साँझ के समय दाऊद पलंग पर से उठकर राजभवन की छत पर टहल रहा था, और छत पर से उसको एक स्त्री, जो अति सुन्दर थी, नहाती हुई देख पड़ी।" 2 शमूएल 11:1–2 (IRV)। "तब उसने उसको अपने घुटनों पर सुला रखा; और एक मनुष्य बुलवाकर उसके सिर की सातों लटें मुँण्ड़वा डाली। और वह उसको दबाने लगी, और वह निर्बल हो गया।" न्यायियों 16:19 (IRV)। "बेलशस्सर नामक राजा ने अपने हजार प्रधानों के लिये बड़ी दावत की, और उन हजार लोगों के सामने दाखमधु पिया। दाखमधु पीते-पीते बेलशस्सर ने आज्ञा दी, कि सोने-चाँदी के जो पात्र मेरे पिता नबूकदनेस्सर ने यरूशलेम के मन्दिर में से निकाले थे, उन्हें ले आओ कि राजा अपने प्रधानों, और रानियों और रखैलों समेत उनमें से पीए। तब जो सोने के पात्र यरूशलेम में परमेश्वर के भवन के मन्दिर में से निकाले गए थे, वे लाए गए; और राजा अपने प्रधानों, और रानियों, और रखैलों समेत उनमें से पीने लगा। वे दाखमधु पी पीकर सोने, चाँदी, पीतल, लोहे, काठ और पत्थर के देवताओं की स्तुति कर ही रहे थे, कि उसी घड़ी मनुष्य के हाथ की सी कई उँगलियाँ निकलकर दीवट के सामने राजभवन की दीवार के चूने पर कुछ लिखने लगीं; और हाथ का जो भाग लिख रहा था वह राजा को दिखाई पड़ा।" दानिय्येल 5:1–5 (IRV)। "उसी रात कसदियों का राजा बेलशस्सर मार डाला गया।" दानिय्येल 5:30 (IRV)। "क्या तुम्हारे लिये अपने छतवाले घरों में रहने का समय है, जबकि यह भवन उजाड़ पड़ा है? इसलिए अब सेनाओं का यहोवा यह कहता है, अपने-अपने चाल-चलन पर ध्यान करो। तुम ने बहुत बोया परन्तु थोड़ा काटा; तुम खाते हो, परन्तु पेट नहीं भरता; तुम पीते हो, परन्तु प्यास नहीं बुझती; तुम कपड़े पहनते हो, परन्तु गरमाते नहीं; और जो मजदूरी कमाता है, वह अपनी मजदूरी की कमाई को छेदवाली थैली में रखता है।" हाग्गै 1:4–6 (IRV)। "फिर जो मिली-जुली भीड़ उनके साथ थी, वह बेहतर भोजन की लालसा करने

लगी; और फिर इस्राएली भी रोने और कहने लगे, “हमें माँस खाने को कौन देगा? हमें वे मछलियाँ स्मरण हैं जो हम मिस्र में सेंत-मेंत खाया करते थे, और वे खीरे, और खरबूजे, और गन्दने, और प्याज, और लहसुन भी; परन्तु अब हमारा जी घबरा गया है, यहाँ पर इस मन्ना को छोड़ और कुछ भी देख नहीं पड़ता।”” गिनती 11:4–6 (IRV)। “और यह उन झूठे भाइयों के कारण हुआ, जो चोरी से घुस आए थे, कि उस स्वतंत्रता का जो मसीह यीशु में हमें मिली है, भेद कर, हमें दास बनाएँ।” गलातियों 2:4 (IRV)। “क्योंकि कितने ऐसे मनुष्य चुपके से हम में आ मिले हैं, जिनसे इस दण्ड का वर्णन पुराने समय में पहले ही से लिखा गया था: ये भक्तिहीन हैं, और हमारे परमेश्वर के अनुग्रह को लुचपन में बदल डालते है, और हमारे एकमात्र स्वामी और प्रभु यीशु मसीह का इन्कार करते हैं।” यहूदा 4 (IRV)।

दृष्टि को स्थिर रखना

“मेरी आँखों को व्यर्थ वस्तुओं की ओर से फेर दे; तू अपने मार्ग में मुझे जिला।” भजन संहिता 119:37 (IRV)। “तेरी आँखें सामने ही की ओर लगी रहें, और तेरी पलकें आगे की ओर खुली रहें।” नीतिवचन 4:25 (IRV)।

आरम्भिक कलीसिया

“आजकल मैं किसी कुत्ते को खरगोश का पीछा करते देखने के लिये सर्कस नहीं जाता; परन्तु यदि संयोग से मैं खेतों में ऐसे शिकार के पास से गुज़रूँ, तो वह शायद मुझे किसी गम्भीर विचार से भी भटका देता है... ऐसा कैसे होता है कि जब मैं घर में बैठा होता हूँ, तो मक्खियाँ पकड़ती हुई छिपकली, या अपने जाल में दौड़ती आती मक्खियों को उलझाती हुई मकड़ी, बार-बार मेरा ध्यान खींच लेती है?... तब हमारी प्रार्थनाएँ उससे अक्सर टूट जाती और बिगड़ जाती हैं...” (NPNF1 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) ऑगस्टीन, स्वीकारोक्तियाँ 10.35.57, अनु. J. G. Pilkington, Nicene and Post-Nicene Fathers, प्रथम शृंखला, खंड 1, सं. Philip Schaff (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1886) में।

11

“तू मुझे छोड़ दूसरों को परमेश्वर करके न मानना। “तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी की प्रतिमा बनाना, जो आकाश में, या पृथ्वी पर, या पृथ्वी के जल में है। तू उनको दण्डवत् न करना, और न उनकी उपासना करना; क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा जलन रखनेवाला परमेश्वर हूँ, और जो मुझसे बैर रखते हैं, उनके बेटों, पोतों, और परपोतों को भी पितरों का दण्ड दिया करता हूँ...” निर्गमन 20:3–5 (IRV)। “शद्रक, मेशक और अबेदनगो ने राजा से कहा, “हे नबूकदनेस्सर, इस विषय में तुझे उत्तर देने का हमें कुछ प्रयोजन नहीं जान पड़ता। हमारा परमेश्वर, जिसकी हम उपासना करते हैं वह हमको उस धधकते हुए भट्ठे की आग से बचाने की शक्ति रखता है; वरन् हे राजा, वह हमें तेरे हाथ से भी छुड़ा सकता है। परन्तु, यदि नहीं, तो हे राजा तुझे मालूम हो, कि हम लोग तेरे देवता की उपासना नहीं करेंगे, और न तेरी खड़ी कराई हुई सोने की मूरत को दण्डवत् करेंगे।”” दानिय्येल 3:16–18 (IRV)। “ठहराए हुए दिन हेरोदेस राजवस्त्र पहनकर सिंहासन पर बैठा; और उनको व्याख्यान देने लगा। और लोग पुकार उठे, “यह तो मनुष्य का नहीं ईश्वर का शब्द है।” उसी क्षण प्रभु के एक स्वर्गदूत ने तुरन्त उसे आघात पहुँचाया, क्योंकि उसने परमेश्वर की महिमा नहीं की और उसके शरीर में कीड़े पड़ गए और वह मर गया।” प्रेरितों के काम 12:21–23 (IRV)। “उन्होंने अजगर की पूजा की, क्योंकि उसने पशु को अपना अधिकार दे दिया था, और यह कहकर पशु की पूजा की, “इस पशु के समान कौन है? कौन इससे लड़ सकता है?”” प्रकाशितवाक्य 13:4 (IRV)। “और उसे उस पशु की मूर्ति में प्राण डालने का अधिकार दिया गया, कि पशु की मूर्ति बोलने लगे; और जितने लोग उस पशु की मूर्ति की पूजा न करें, उन्हें मरवा डाले।” प्रकाशितवाक्य 13:15 (IRV)। “इस कारण, हे मेरे प्यारों मूर्तिपूजा से बचे रहो।” 1 कुरिन्थियों 10:14 (IRV)। “हे बालकों, अपने आपको मूरतों से बचाए रखो।” 1 यूहन्ना 5:21 (IRV)। “उन्होंने उससे कहा, “कैसर का।” तब उसने उनसे कहा, “जो कैसर का है, वह कैसर को; और जो परमेश्वर का है, वह परमेश्वर को दो।”” मत्ती 22:21 (IRV)। “यह कहने में क्या हानि है कि, प्रभु कैसर, और बलि चढ़ाने में...” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) पॉलीकार्प की शहादत, अध्याय 8, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में। “कैसर के भाग्य की शपथ खा; मन फिरा, और कह, नास्तिकों का नाश हो।” ... “छियासी वर्ष से मैं उनकी सेवा करता आया हूँ, और उन्होंने कभी मेरा कोई अहित नहीं किया...” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) पॉलीकार्प की

शहादत, अध्याय 9, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

एक रोमी राज्यपाल का अभिलेख (प्राचीन गैर-मसीही स्रोत)

"जिन्होंने इनकार किया कि वे मसीही हैं या कभी थे, जब उन्होंने मेरे द्वारा बोले गए शब्दों में देवताओं का आह्वान किया, आपकी प्रतिमा के आगे, जिसे मैंने इसी उद्देश्य से देवताओं की मूर्तियों के साथ लाने की आज्ञा दी थी, धूप और दाखमधु के साथ प्रार्थना चढ़ाई, और इसके अतिरिक्त मसीह को शाप दिया, जबकि कहा जाता है कि जो सचमुच मसीही हैं उनसे इनमें से कोई भी काम बलपूर्वक नहीं कराया जा सकता..." (James J. O'Donnell के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) छोटे प्लिनी, पत्र 10.96, सम्राट त्राजान के नाम (लगभग 112 ई.), James J. O'Donnell द्वारा प्रकाशित अंग्रेज़ी अनुवाद, Georgetown University, faculty.georgetown.edu/jod/texts/pliny.html (पृष्ठ पर अनुवादक का नाम नहीं दिया गया)।

12

"जो कोई मनुष्य का लहू बहाएगा उसका लहू मनुष्य ही से बहाया जाएगा क्योंकि परमेश्वर ने मनुष्य को अपने ही स्वरूप के अनुसार बनाया है।" उत्पत्ति 9:6 (IRV)। "तू खून न करना।" निर्गमन 20:13 (IRV)। "छः वस्तुओं से यहोवा बैर रखता है, वरन् सात हैं जिनसे उसको घृणा है: अर्थात् घमण्ड से चढ़ी हुई आँखें, झूठ बोलनेवाली जीभ, और निर्दोष का लहू बहानेवाले हाथ..." नीतिवचन 6:16–17 (IRV)। "वरन् उन्होंने अपने बेटे-बेटियों को पिशाचों के लिये बलिदान किया; और अपने निर्दोष बेटे-बेटियों का लहू बहाया जिन्हें उन्होंने कनान की मूर्तियों पर बलि किया, इसलिए देश खून से अपवित्र हो गया।" भजन संहिता 106:37–38 (IRV)। "क्योंकि यहाँ के लोगों ने मुझे त्याग दिया, और इस स्थान में दूसरे देवताओं के लिये जिनको न तो वे जानते हैं, और न उनके पुरखा या यहूदा के पुराने राजा जानते थे धूप जलाया है और इसको पराया कर दिया है; और उन्होंने इस स्थान को निर्दोषों के लहू से भर दिया, और बाल की पूजा के ऊँचे स्थानों को बनाकर अपने बाल-बच्चों को बाल के लिये होम कर दिया, यद्यपि मैंने कभी भी जिसकी आज्ञा नहीं दी, न उसकी चर्चा की और न वह कभी मेरे मन में आया।" यिर्मयाह 19:4–5 (IRV)। "तूने मेरे अंदरूनी अंगों को बनाया है; तूने मुझे माता के गर्भ में रचा। मैं तेरा धन्यवाद करूँगा, इसलिए कि मैं भयानक और अद्भुत रीति से रचा गया हूँ। तेरे काम तो आश्चर्य के हैं, और मैं इसे भली भाँति जानता हूँ। जब मैं गुप्त में बनाया जाता, और पृथ्वी के नीचे स्थानों में रचा जाता था, तब मेरी देह तुझ से छिपी न थीं। तेरी आँखों ने मेरे बेडौल तत्व को देखा; और मेरे सब अंग जो दिन-दिन बनते जाते थे वे रचे जाने से पहले तेरी पुस्तक में लिखे हुए थे।" भजन संहिता 139:13–16 (IRV)। "गर्भ में रचने से पहले ही मैंने तुझ पर चित्त लगाया, और उत्पन्न होने से पहले ही मैंने तुझे अभिषेक किया; मैंने तुझे जातियों का भविष्यद्वक्ता ठहराया।" यिर्मयाह 1:5 (IRV)। "...तू गर्भपात के द्वारा किसी बच्चे की हत्या न करना, और न जन्मे हुए को मार डालना..." (ANF 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) दिदाखे, अध्याय 2, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 7 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1886) में। "वे सब [दूसरों] के समान विवाह करते हैं; वे सन्तान उत्पन्न करते हैं; परन्तु अपनी सन्तान को नष्ट नहीं करते।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) दियोग्नेतुस के नाम पत्री, अध्याय 5, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में। "और जब हम कहते हैं कि जो स्त्रियाँ गर्भपात कराने के लिये औषधियों का प्रयोग करती हैं, वे हत्या करती हैं, और उन्हें गर्भपात का लेखा परमेश्वर को देना पड़ेगा, तो हम किस सिद्धान्त पर हत्या करेंगे?" (ANF 2 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) एथेंस के एथेनागोरस, मसीहियों के पक्ष में निवेदन, अध्याय 35, अनु. B. P. Pratten, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 2 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

13

"जब उनका मन मगन हो गया, तब उन्होंने कहा, "शिमशोन को बुलवा लो, कि वह हमारे लिये तमाशा करे।" इसलिए शिमशोन बन्दीगृह में से बुलवाया गया, और उनके लिये तमाशा करने लगा, और खम्भों के बीच खड़ा कर दिया गया।" न्यायियों 16:25 (IRV)। "मेरी समझ में परमेश्वर ने हम प्रेरितों को सब के बाद उन लोगों के समान ठहराया है, जिनकी मृत्यु की आज्ञा हो चुकी हो; क्योंकि हम जगत और स्वर्गदूतों और मनुष्यों के लिये एक तमाशा ठहरे हैं।" 1 कुरिन्थियों 4:9 (IRV)। "परन्तु उन पहले दिनों को स्मरण करो, जिनमें तुम ज्योति पाकर दुःखों के

बड़े संघर्ष में स्थिर रहे। कुछ तो यह, कि तुम निन्दा, और क्लेश सहते हुए तमाशा बने, और कुछ यह, कि तुम उनके सहभागी हुए जिनकी दुर्दशा की जाती थी।" इब्रानियों 10:32–33 (IRV)। "होनोरियस ने, जिसे यूरोप का साम्राज्य विरासत में मिला था, उन तलवारबाज़ों (ग्लैडिएटरों) की लड़ाइयों को रोक दिया जो रोम में लम्बे समय से होती आ रही थीं। ऐसा करने का अवसर निम्नलिखित घटना से उत्पन्न हुआ। तेलेमाकुस नाम के एक व्यक्ति ने तपस्वी जीवन अपनाया था। वह पूर्व से निकला था और इसी कारण रोम आया था। वहाँ, जब वह घृणित तमाशा दिखाया जा रहा था, वह स्वयं रंगभूमि में गया, और अखाड़े में उतरकर उन लोगों को रोकने का प्रयास किया जो एक दूसरे पर अपने हथियार चला रहे थे। उस संहार के दर्शक क्रोधित हो उठे, और उस दुष्टात्मा के पागल क्रोध से प्रेरित होकर, जो उन खूनी कामों से प्रसन्न होता है, उन्होंने उस मेल करानेवाले को पत्थरवाह करके मार डाला। जब उस प्रशंसनीय सम्राट को इसकी सूचना मिली, तो उसने तेलेमाकुस को विजयी शहीदों की पंक्ति में गिना, और उस अधर्मी तमाशे का अन्त कर दिया।" (NPNF2 3 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) थियोडोरेट, कलीसियाई इतिहास 5.26, Nicene and Post-Nicene Fathers, द्वितीय श्रृंखला, खंड 3, सं. Philip Schaff और Henry Wace (New York: Christian Literature Publishing, 1892) में। "क्योंकि जैसे ही उसने वह लहू देखा, उसके साथ ही उसने एक प्रकार की क्रूरता पी ली; और उसने मुँह नहीं फेरा, बल्कि अपनी आँख गड़ाए रहा, अनजाने में पागलपन पीता रहा, और उस दोषपूर्ण प्रतियोगिता से प्रसन्न हुआ, और उस खूनी मनोरंजन से मतवाला हो गया।" (NPNF1 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) ऑगस्टीन, स्वीकारोक्तियाँ 6.8.13, अनु. J. G. Pilkington, Nicene and Post-Nicene Fathers, प्रथम श्रृंखला, खंड 1, सं. Philip Schaff (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1886) में। "परन्तु हमने, यह मानकर कि किसी मनुष्य को मरवाते देखना लगभग उसे मार डालने के समान ही है, ऐसे तमाशों का त्याग कर दिया है।" (ANF 2 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) एथेंस के एथेनागोरस, मसीहियों के पक्ष में निवेदन, अध्याय 35, अनु. B. P. Pratten, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 2 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

14

"यहोवा यह कहता है: "इस्राएल के तीन क्या, वरन् चार अपराधों के कारण, मैं उसका दण्ड न छोड़ूँगा; क्योंकि उन्होंने निर्दोष को रुपये के लिये और दरिद्र को एक जोड़ी जूतियों के लिये बेच डाला है। वे कंगालों के सिर पर की धूल का भी लालच करते, और नम्र लोगों को मार्ग से हटा देते हैं; और बाप-बेटा दोनों एक ही कुमारी के पास जाते हैं, जिससे मेरे पवित्र नाम को अपवित्र ठहराएँ।" आमोस 2:6–7 (IRV)। "तुम जो कंगालों को लताड़ा करते, और भेंट कहकर उनसे अन्न हर लेते हो, इसलिए जो घर तुम ने गढ़े हुए पत्थरों के बनाए हैं, उनमें रहने न पाओगे; और जो मनभावनी दाख की बारियाँ तुम ने लगाई हैं, उनका दाखमधु न पीने पाओगे। क्योंकि मैं जानता हूँ कि तुम्हारे पाप भारी हैं। तुम धर्मी को सताते और घूस लेते, और फाटक में दरिद्रों का न्याय बिगाड़ते हो।" आमोस 5:11–12 (IRV)। "जो कंगाल पर अंधेर करता, वह उसके कर्ता की निन्दा करता है, परन्तु जो दरिद्र पर अनुग्रह करता, वह उसकी महिमा करता है।" नीतिवचन 14:31 (IRV)। "कंगाल पर इस कारण अंधेर न करना कि वह कंगाल है, और न दीन जन को कचहरी में पीसना; क्योंकि यहोवा उनका मुकद्दमा लड़ेगा, और जो लोग उनका धन हर लेते हैं, उनका प्राण भी वह हर लेगा।" नीतिवचन 22:22–23 (IRV)। "यहोवा अपनी प्रजा के वृद्ध और हाकिमों के साथ यह विवाद करता है, "तुम ही ने बारी की दाख खा डाली है, और दीन लोगों का धन लूटकर तुम ने अपने घरों में रखा है।" सेनाओं के प्रभु यहोवा की यह वाणी है, "तुम क्यों मेरी प्रजा को दलते, और दीन लोगों को पीस डालते हो!"" यशायाह 3:14–15 (IRV)। "हे धनवानों सुन तो लो; तुम अपने आनेवाले क्लेशों पर चिल्ला चिल्लाकर रोओ। तुम्हारा धन बिगड़ गया और तुम्हारे वस्त्रों को कीड़े खा गए। तुम्हारे सोने-चाँदी में काई लग गई है; और वह काई तुम पर गवाही देगी, और आग के समान तुम्हारा माँस खा जाएगी: तुम ने अन्तिम युग में धन बटोरा है। देखो, जिन मजदूरों ने तुम्हारे खेत काटे, उनकी मजदूरी जो तुम ने उन्हें नहीं दी; चिल्ला रही है, और लवनेवालों की दुहाई, सेनाओं के प्रभु के कानों तक पहुँच गई है।" याकूब 5:1–4 (IRV)। "पर जो धनी होना चाहते हैं, वे ऐसी परीक्षा, और फंदे और बहुत सी व्यर्थ और हानिकारक लालसाओं में फँसते हैं, जो मनुष्यों को बिगाड़ देती हैं और विनाश के समुद्र में डुबा देती हैं। क्योंकि रुपये का लोभ सब प्रकार की बुराइयों की जड़ है, जिसे प्राप्त करने का प्रयत्न करते हुए कितनों ने विश्वास से भटककर अपने आपको विभिन्न प्रकार के दुःखों से छलनी बना लिया है।" 1 तीमुथियुस 6:9–10 (IRV)।

आरम्भिक कलीसिया

"जो अभाव में है, उससे तू मुँह न मोड़ना, परन्तु अपने भाई के साथ सब वस्तुओं में साझा करना..." (ANF 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) दिदाखे, अध्याय 4, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 7 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1886) में। "इसलिए भूमि के बदले, जितना जिससे हो सके, दुःखी आत्माओं को मोल लो, और विधवाओं और अनाथों से भेंट करो, और उनकी उपेक्षा न करो; और अपना धन और अपनी सारी तैयारियाँ, जो तुमने प्रभु से पाई, ऐसी भूमि और घरों पर व्यय करो। क्योंकि इसी उद्देश्य से स्वामी ने तुम्हें धनी बनाया, कि तुम उनके लिये ये सेवाएँ करो..." (ANF 2 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) हेर्मास का चरवाहा, दृष्टान्त 1, अनु. F. Crombie, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 2 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

पोप के दस्तावेज़

"किसी की उचित मज़दूरी उससे छल से रोक लेना एक बड़ा अपराध है, जो स्वर्ग के प्रतिशोधी क्रोध की दोहाई देता है।" (अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) पोप लियो XIII, Rerum Novarum, पूँजी और श्रम पर विश्वपत्र, 15 मई 1891, खंड 20 (Vatican City: Libreria Editrice Vaticana), vatican.va। उसी खंड में यह विश्वपत्र "लाभ के लिये कंगालों और निराश्रितों पर दबाव डालने" के हर प्रयास की निन्दा करता है, और कहता है कि "दूसरे की आवश्यकता में से अपना लाभ बटोरना" "सब नियमों, मानवीय और ईश्वरीय, के द्वारा दोषी ठहराया गया है।" (अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) वही।

15

"जो किसी मनुष्य को चुराए, चाहे उसे ले जाकर बेच डाले, चाहे वह उसके पास पाया जाए, तो वह भी निश्चय मार डाला जाए।" निर्गमन 21:16 (IRV)। "यदि कोई अपने किसी इस्राएली भाई को दास बनाने या बेच डालने के विचार से चुराता हुआ पकड़ा जाए, तो ऐसा चोर मार डाला जाए; ऐसी बुराई को अपने मध्य में से दूर करना।" व्यवस्थाविवरण 24:7 (IRV)। "यह जानकर कि व्यवस्था धर्मी जन के लिये नहीं पर अधर्मियों, निरंकुशों, भक्तिहीनों, पापियों, अपवित्रों और अशुद्धों, माँ-बाप के मारनेवाले, हत्यारों, व्यभिचारियों, पुरुषगामियों, मनुष्य के बेचनेवालों, झूठ बोलनेवालों, और झूठी शपथ खानेवालों, और इनको छोड़ खरे उपदेश के सब विरोधियों के लिये ठहराई गई है।" 1 तीमुथियुस 1:9–10 (IRV)। "और पृथ्वी के व्यापारी उसके लिये रोएँगे और विलाप करेंगे, क्योंकि अब कोई उनका माल मोल न लेगा अर्थात् सोना, चाँदी, रत्न, मोती, मलमल, बैंगनी, रेशमी, लाल रंग के कपड़े, हर प्रकार का सुगन्धित काठ, हाथी दाँत की हर प्रकार की वस्तुएँ, बहुमूल्य काठ, पीतल, लोहे और संगमरमर की सब भाँति के पात्र, और दालचीनी, मसाले, धूप, गन्धरस, लोबान, मदिरा, तेल, मैदा, गेहूँ, गाय-बैल, भेड़-बकरियाँ, घोड़े, रथ, और दास, और मनुष्यों के प्राण।" प्रकाशितवाक्य 18:11–13 (IRV)। "अब न कोई यहूदी रहा और न यूनानी; न कोई दास, न स्वतंत्र; न कोई नर, न नारी; क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो।" गलातियों 3:28 (IRV)। "परन्तु अब से दास के समान नहीं, वरन् दास से भी उत्तम, अर्थात् भाई के समान रहे जो मेरा तो विशेष प्रिय है ही, पर अब शरीर में और प्रभु में भी, तेरा भी विशेष प्रिय हो।" फिलेमोन 1:16 (IRV)। "'मैंने दास और दासियाँ मोल लीं'। तुम उन मनुष्यों को दासता का दण्ड दे रहे हो जिनका स्वभाव स्वतंत्र है और जिनकी विशेषता स्वतंत्र इच्छा है। ... तुमने परमेश्वर के स्वरूप का मूल्य कितने ओबोल आँका?" (Andrew Maguire के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) निस्सा के ग्रेगरी, सभोपदेशक पर प्रवचन 4, अनु. Andrew Maguire, Early Church Texts (earlychurchtexts.com)।

16

"तुझ में कोई ऐसा न हो जो अपने बेटे या बेटी को आग में होम करके चढ़ानेवाला, या भावी कहनेवाला, या शुभ-अशुभ मुहूर्त्तों का माननेवाला, या टोन्हा, या तांत्रिक, या बाजीगर, या ओझों से पूछनेवाला, या भूत साधनेवाला, या भूतों का जगानेवाला हो। क्योंकि जितने ऐसे-ऐसे काम करते हैं वे सब यहोवा के सम्मुख घृणित हैं; और इन्हीं घृणित कामों के कारण तेरा परमेश्वर यहोवा उनको तेरे सामने से निकालने पर है।" व्यवस्थाविवरण 18:10–12 (IRV)। "ओझाओं और भूत साधनेवालों की ओर न फिरना, और ऐसों की खोज करके उनके कारण अशुद्ध न हो जाना; मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ।" लैव्यव्यवस्था 19:31 (IRV)। "जब लोग तुम से कहें, "ओझाओं और टोन्हों के पास जाकर पूछो जो गुनगुनाते और फुसफुसाते हैं," तब तुम यह कहना, "क्या प्रजा को अपने परमेश्वर ही के पास जाकर न पूछना चाहिये? क्या जीवितों के लिये मुर्दों से पूछना चाहिये?"" यशायाह 8:19 (IRV)। "देख, बलवा करना और भावी कहनेवालों से पूछना एक ही समान पाप है, और हठ करना मूरतों और गृहदेवताओं की पूजा के तुल्य है। तूने जो यहोवा की बात को तुच्छ जाना, इसलिए उसने तुझे राजा होने के लिये तुच्छ जाना है।" 1

शमूएल 15:23 (IRV)। “और जादू-टोना करनेवालों में से बहुतों ने अपनी-अपनी पोथियाँ इकट्ठी करके सब के सामने जला दीं; और जब उनका दाम जोड़ा गया, जो पचास हजार चाँदी के सिक्कों के बराबर निकला।” प्रेरितों के काम 19:19 (IRV)। “शरीर के काम तो प्रगट हैं, अर्थात् व्यभिचार, गंदे काम, लुचपन, मूर्तिपूजा, टोना, बैर, झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध, विरोध, फूट, विधर्म, डाह, मतवालापन, लीलाक्रीड़ा, और इनके जैसे और-और काम हैं, इनके विषय में मैं तुम को पहले से कह देता हूँ जैसा पहले कह भी चुका हूँ, कि ऐसे-ऐसे काम करनेवाले परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे।” गलातियों 5:19–21 (IRV)। “परन्तु डरपोकों, अविश्वासियों, घिनौनों, हत्यारों, व्यभिचारियों, टोन्हों, मूर्तिपूजकों, और सब झूठों का भाग उस झील में मिलेगा, जो आग और गन्धक से जलती रहती है: यह दूसरी मृत्यु है।” प्रकाशितवाक्य 21:8 (IRV)। “हे मेरे बालक, शकुन विचारनेवाला न बन, क्योंकि यह मूर्तिपूजा की ओर ले जाता है; न मंत्र फूँकनेवाला, न ज्योतिषी...” (ANF 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) दिदाखे, अध्याय 3, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 7 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1886) में। “जो याजकवर्ग के हैं, या पादरीवर्ग के, वे जादूगर, मंत्र फूँकनेवाले, गणितज्ञ या ज्योतिषी न हों; और न वे वह बनाएँ जिन्हें ताबीज़ कहा जाता है, जो उनके अपने प्राणों के लिये बेड़ियाँ हैं। और जो ऐसे पहनते हैं, उनके विषय में हम आज्ञा देते हैं कि वे कलीसिया से बाहर निकाल दिए जाएँ।” (NPNF2 14 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) लौदीकिया की परिषद, धर्मविधि (कैनन) 36, अनु. Henry R. Percival, Nicene and Post-Nicene Fathers, द्वितीय श्रृंखला, खंड 14, सं. Philip Schaff और Henry Wace (New York: Christian Literature Publishing, 1900) में।

धर्मशिक्षा

“भावी कहने के सब रूप त्याग दिए जाने चाहिए: शैतान या दुष्टात्माओं का सहारा लेना, मृतकों को बुलाना, या ऐसी अन्य रीतियाँ जिनके विषय में झूठे रूप से माना जाता है कि वे भविष्य को ‘खोल देती’ हैं। जन्मपत्री देखना, ज्योतिष, हस्तरेखा पढ़ना, शकुनों और चिट्ठियों का अर्थ निकालना, दिव्यदृष्टि की घटनाएँ, और ओझाओं-माध्यमों का सहारा लेना, ये सब समय पर, इतिहास पर, और अन्ततः दूसरे मनुष्यों पर अधिकार पाने की इच्छा को, और साथ ही छिपी हुई शक्तियों को प्रसन्न करने की कामना को छिपाए रहते हैं। ये उस आदर, सम्मान और प्रेमपूर्ण भय के विरुद्ध हैं, जो हम केवल परमेश्वर के प्रति रखने के ऋणी हैं।” (अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) काथलिक कलीसिया की धर्मशिक्षा (Catechism of the Catholic Church), दूसरा संस्करण (Vatican City: Libreria Editrice Vaticana, 1997), अनुच्छेद 2116।

17

“तब यहोवा का यह वचन तिशबी एलिय्याह के पास पहुँचा, “चल, सामरिया में रहनेवाले इस्राएल के राजा अहाब से मिलने को जा; वह तो नाबोत की दाख की बारी में है, उसे अपने अधिकार में लेने को वह वहाँ गया है। और उससे यह कहना, कि यहोवा यह कहता है, ‘क्या तूने घात किया, और अधिकारी भी बन बैठा?’ फिर तू उससे यह भी कहना, कि यहोवा यह कहता है, ‘जिस स्थान पर कुत्तों ने नाबोत का लहू चाटा, उसी स्थान पर कुत्ते तेरा भी लहू चाटेंगे।’ ”” 1 राजाओं 21:17–19 (IRV)। “उसके प्रधान भेड़ियों के समान अहेर पकड़ते, और अन्याय से लाभ उठाने के लिये हत्या करते हैं और प्राण घात करने को तत्पर रहते हैं।” यहेजकेल 22:27 (IRV)। “मैंने कहा: हे याकूब के प्रधानों, हे इस्राएल के घराने के न्यायियों, सुनो! क्या न्याय का भेद जानना तुम्हारा काम नहीं? तुम तो भलाई से बैर, और बुराई से प्रीति रखते हो, मानो, तुम, लोगों पर से उनकी खाल उधेड़ लेते, और उनकी हड्डियों पर से उनका माँस नोच लेते हो; वरन् तुम मेरे लोगों का माँस खा भी लेते, और उनकी खाल उधेड़ते हो; तुम उनकी हड्डियों को हाण्डी में पकाने के लिये तोड़ डालते और उनका माँस हँडे में पकाने के लिये टुकड़े-टुकड़े करते हो।” मीका 3:1–3 (IRV)। “यहोवा के और उसके अभिषिक्त के विरुद्ध पृथ्वी के राजागण मिलकर, और हाकिम आपस में षड्यंत्र रचकर, कहते हैं, “आओ, हम उनके बन्धन तोड़ डालें, और उनकी रस्सियों को अपने ऊपर से उतार फेंके।” वह जो स्वर्ग में विराजमान है, हँसेगा, प्रभु उनको उपहास में उड़ाएगा।” भजन संहिता 2:2–4 (IRV)। “जब न्याय ही हटा दिया जाए, तो राज्य बड़ी डकैतियों के सिवा और क्या हैं?” (NPNF1 2 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) ऑगस्टीन, परमेश्वर का नगर 4.4, अनु. Marcus Dods, Nicene and Post-Nicene Fathers, प्रथम श्रृंखला, खंड 2, सं. Philip Schaff (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1887) में। “यदि आप उपस्थित रहने का विचार रखते हैं, तो मैं बलि चढ़ाने का साहस नहीं करता।” (NPNF2 10 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) मिलान के एम्ब्रोस, पत्र 51.13, सम्राट थियोडोसियस के नाम, अनु. H. de Romestin, Nicene and Post-Nicene Fathers, द्वितीय श्रृंखला, खंड 10, सं. Philip Schaff और Henry Wace (New York: Christian Literature Publishing, 1896) में।

18

"जब शमौन ने देखा कि प्रेरितों के हाथ रखने से पवित्र आत्मा दिया जाता है, तो उनके पास रुपये लाकर कहा, "यह शक्ति मुझे भी दो, कि जिस किसी पर हाथ रखूँ, वह पवित्र आत्मा पाए।" पतरस ने उससे कहा, "तेरे रुपये तेरे साथ नाश हों, क्योंकि तूने परमेश्वर का दान रुपयों से मोल लेने का विचार किया। इस बात में न तेरा हिस्सा है, न भाग; क्योंकि तेरा मन परमेश्वर के आगे सीधा नहीं।" प्रेरितों के काम 8:18–21 (IRV)। "हे मनुष्य के सन्तान, इस्राएल के चरवाहों के विरुद्ध भविष्यद्वाणी करके उन चरवाहों से कह, परमेश्वर यहोवा यह कहता है: हाय इस्राएल के चरवाहों पर जो अपने-अपने पेट भरते हैं! क्या चरवाहों को भेड़-बकरियों का पेट न भरना चाहिए? तुम लोग चर्बी खाते, ऊन पहनते और मोटे-मोटे पशुओं को काटते हो; परन्तु भेड़-बकरियों को तुम नहीं चराते। तुम ने बीमारों को बलवान न किया, न रोगियों को चंगा किया, न घायलों के घावों को बाँधा, न निकाली हुई को लौटा लाए, न खोई हुई को खोजा, परन्तु तुम ने बल और जबरदस्ती से अधिकार चलाया है।" यहेजकेल 34:2–4 (IRV)। "उसके प्रधान घूस ले लेकर विचार करते, और याजक दाम ले लेकर व्यवस्था देते हैं, और भविष्यद्वक्ता रुपये के लिये भावी कहते हैं; तो भी वे यह कहकर यहोवा पर भरोसा रखते हैं, "यहोवा हमारे बीच में है, इसलिए कोई विपत्ति हम पर न आएगी।"" मीका 3:11 (IRV)। "कि परमेश्वर के उस झुण्ड की, जो तुम्हारे बीच में है रखवाली करो; और यह दबाव से नहीं, परन्तु परमेश्वर की इच्छा के अनुसार आनन्द से, और नीच-कमाई के लिये नहीं, पर मन लगाकर। जो लोग तुम्हें सौंपे गए हैं, उन पर अधिकार न जताओ, वरन् झुण्ड के लिये आदर्श बनो।" 1 पतरस 5:2–3 (IRV)। "क्योंकि अध्यक्ष को परमेश्वर का भण्डारी होने के कारण निर्दोष होना चाहिए; न हठी, न क्रोधी, न पियक्कड़, न मारपीट करनेवाला, और न नीच कमाई का लोभी।" तीतुस 1:7 (IRV)। "यीशु ने परमेश्वर के मन्दिर में जाकर, उन सब को, जो मन्दिर में लेन-देन कर रहे थे, निकाल दिया; और सर्राफों के मेजें और कबूतरों के बेचनेवालों की चौकियाँ उलट दीं। और उनसे कहा, "लिखा है, 'मेरा घर प्रार्थना का घर कहलाएगा'; परन्तु तुम उसे डाकुओं की खोह बनाते हो।"" मत्ती 21:12–13 (IRV)। "इसलिए कि पादरीवर्ग में गिने गए बहुत से लोग लोभ और लाभ की लालसा के पीछे चलकर उस ईश्वरीय पवित्रशास्त्र को भूल गए हैं, जो कहता है, 'जो अपना रुपया ब्याज पर नहीं देता', और रुपया उधार देते समय मूलधन का सौवाँ भाग [मासिक ब्याज के रूप में] माँगते हैं, इसलिए पवित्र और महान धर्मसभा उचित समझती है कि यदि इस आज्ञप्ति के बाद कोई ब्याज लेता पाया जाए, चाहे वह गुप्त लेन-देन के द्वारा करे या अन्य किसी रीति से, जैसे पूरी रकम और उसका आधा माँगकर, या नीच कमाई के लिये कोई भी अन्य युक्ति अपनाकर, तो वह पादरीवर्ग से पदच्युत किया जाए और उसका नाम सूची से काट दिया जाए।" (NPNF2 14 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) नीकिया की प्रथम परिषद (325), धर्मविधि (कैनन) 17, अनु. Henry R. Percival, Nicene and Post-Nicene Fathers, द्वितीय शृंखला, खंड 14, सं. Philip Schaff और Henry Wace (New York: Christian Literature Publishing, 1900) में। "यदि कोई बिशप पैसे के लिये अभिषेक करे, और उस अनुग्रह को, जो बेचा नहीं जा सकता, बिक्री पर रखे, और पैसे के लिये किसी बिशप, कोरएपिस्कोपस, प्रेस्बिटर या डीकन को, या पादरीवर्ग में गिने जानेवालों में से किसी अन्य को अभिषिक्त करे; या पैसे के लिये किसी प्रबन्धक, विधि-अधिकारी या संरक्षक को, या किसी भी अन्य कलीसियाई व्यक्ति को अपने निजी नीच लाभ के लिये नियुक्त करे; तो जिसने यह प्रयास किया है और दोषी सिद्ध हुआ है, [वह] अपना निजी पद खो देने का भागी हो..." (Tanner के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) कालसेदोन की परिषद (451), धर्मविधि (कैनन) 2, Decrees of the Ecumenical Councils, सं. Norman P. Tanner, खंड 1 (London: Sheed & Ward; Washington, DC: Georgetown University Press, 1990) में, जैसा papalencyclicals.net पर प्रस्तुत है। (ऑनलाइन पाठ में "led him" है; कोष्ठक में सुधारा गया है।)

19

"हे भाइयों, मैं तुम से यीशु मसीह जो हमारा प्रभु है उसके नाम के द्वारा विनती करता हूँ, कि तुम सब एक ही बात कहो और तुम में फूट न हो, परन्तु एक ही मन और एक ही मत होकर मिले रहो।" 1 कुरिन्थियों 1:10 (IRV)। "मैं केवल इन्हीं के लिये विनती नहीं करता, परन्तु उनके लिये भी जो इनके वचन के द्वारा मुझ पर विश्वास करेंगे, कि वे सब एक हों; जैसा तू हे पिता मुझ में हैं, और मैं तुझ में हूँ, वैसे ही वे भी हम में हों, इसलिए कि जगत विश्वास करे, कि तू ही ने मुझे भेजा।" यूहन्ना 17:20–21 (IRV)। "और मेल के बन्धन में आत्मा की एकता रखने का यत्न करो। एक ही देह है, और एक ही आत्मा; जैसे तुम्हें जो बुलाए गए थे अपने बुलाए जाने से एक ही आशा है। एक ही प्रभु है, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा, और सब का एक ही परमेश्वर और पिता है, जो सब के ऊपर और सब के मध्य में, और सब में है।" इफिसियों 4:3–6 (IRV)। "क्योंकि अब तक शारीरिक हो। इसलिए, कि जब तुम में ईर्ष्या और झगड़ा है, तो क्या तुम शारीरिक नहीं? और मनुष्य की रीति पर नहीं चलते?" 1 कुरिन्थियों 3:3 (IRV)। "तुम्हारे बीच झगड़े, और उपद्रव, और विभाजन, और फूट, और युद्ध क्यों हैं? ... हम मसीह के अंगों को क्यों बाँटते और फाड़ते हैं, और अपनी ही देह के विरुद्ध झगड़ा खड़ा करते हैं, और पागलपन की ऐसी ऊँचाई तक पहुँच गए हैं कि भूल गए

हैं कि 'आपस में एक दूसरे के अंग हैं'?" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) रोम के क्लेमेंट, कुरिन्थियों के नाम पहली पत्री, अध्याय 46, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में। "वह अब परमेश्वर को अपना पिता नहीं मान सकता, जो कलीसिया को अपनी माता नहीं मानता।" (ANF 5 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) कार्थेज के सिप्रियन, कलीसिया की एकता के विषय में, खंड 6, अनु. Ernest Wallis, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 5 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1886) में। "...प्रभु यीशु मसीह का अंगरखा बिल्कुल बाँटा या काटा नहीं जाता, परन्तु एक पूरे वस्त्र के रूप में ग्रहण किया जाता है, और जो मसीह के वस्त्र पर चिट्ठियाँ डालते हैं, उनके पास वह एक अक्षत और अविभाजित वस्त्र के रूप में रहता है..." (ANF 5 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) कार्थेज के सिप्रियन, कलीसिया की एकता के विषय में, खंड 7, अनु. Ernest Wallis, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 5 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1886) में।

20

"जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे मान लेगा, उसे मैं भी अपने स्वर्गीय पिता के सामने मान लूँगा। पर जो कोई मनुष्यों के सामने मेरा इन्कार करेगा उसे मैं भी अपने स्वर्गीय पिता के सामने इन्कार करूँगा।" मत्ती 10:32–33 (IRV)। "तब वे क्लेश दिलाने के लिये तुम्हें पकड़वाएँगे, और तुम्हें मार डालेंगे और मेरे नाम के कारण सब जातियों के लोग तुम से बैर रखेंगे। तब बहुत सारे ठोकर खाएँगे, और एक दूसरे को पकड़वाएँगे और एक दूसरे से बैर रखेंगे।" मत्ती 24:9–10 (IRV)। "पतरस ने कहा, "हे मनुष्य, मैं नहीं जानता कि तू क्या कहता है?" वह कह ही रहा था कि तुरन्त मुर्गे ने बाँग दी। तब प्रभु ने घूमकर पतरस की ओर देखा, और पतरस को प्रभु की वह बात याद आई जो उसने कही थी, "आज मुर्गे के बाँग देने से पहले, तू तीन बार मेरा इन्कार करेगा।" और वह बाहर निकलकर फूट फूटकर रोने लगा।" लूका 22:60–62 (IRV)। "और मेरा धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा, और यदि वह पीछे हट जाए तो मेरा मन उससे प्रसन्न न होगा।" पर हम हटनेवाले नहीं, कि नाश हो जाएँ पर विश्वास करनेवाले हैं, कि प्राणों को बचाएँ।" इब्रानियों 10:38–39 (IRV)। "मैं यह तो जानता हूँ, कि तू वहाँ रहता है जहाँ शैतान का सिंहासन है, और मेरे नाम पर स्थिर रहता है; और मुझ पर विश्वास करने से उन दिनों में भी पीछे नहीं हटा जिनमें मेरा विश्वासयोग्य साक्षी अन्तिपास, तुम्हारे बीच उस स्थान पर मारा गया जहाँ शैतान रहता है।" प्रकाशितवाक्य 2:13 (IRV)। "धमकी देनेवाले शत्रु के पहले ही शब्दों पर, भाइयों में से अधिकांश ने अपने विश्वास से विश्वासघात किया, और वे गिरा दिए गए, सताव के आक्रमण के द्वारा नहीं, बल्कि अपनी इच्छा से पतित होकर उन्होंने स्वयं को गिरा दिया।" (ANF 5 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) कार्थेज के सिप्रियन, पतितों के विषय में, खंड 7, अनु. Ernest Wallis, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 5 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1886) में। "उन्होंने तो चढ़ने से पहले पकड़े जाने की, या इनकार करने से पहले पूछताछ की भी प्रतीक्षा नहीं की। वे अपनी ही इच्छा से बाज़ार की ओर दौड़ पड़े..." (ANF 5 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) कार्थेज के सिप्रियन, पतितों के विषय में, खंड 8, अनु. Ernest Wallis, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 5 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1886) में।

एक रोमी राज्यपाल का अभिलेख (प्राचीन गैर-मसीही स्रोत)

"जिन्होंने इनकार किया कि वे मसीही हैं या कभी थे, जब उन्होंने मेरे द्वारा बोले गए शब्दों में देवताओं का आह्वान किया, आपकी प्रतिमा के आगे, जिसे मैंने इसी उद्देश्य से देवताओं की मूर्तियों के साथ लाने की आज्ञा दी थी, धूप और दाखमधु के साथ प्रार्थना चढ़ाई, और इसके अतिरिक्त मसीह को शाप दिया, जबकि कहा जाता है कि जो सचमुच मसीही हैं उनसे इनमें से कोई भी काम बलपूर्वक नहीं कराया जा सकता..." (James J. O'Donnell के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) छोटे प्लिनी, पत्र 10.96, सम्राट त्राजान के नाम (लगभग 112 ई.), James J. O'Donnell द्वारा प्रकाशित अंग्रेज़ी अनुवाद, Georgetown University, faculty.georgetown.edu/jod/texts/pliny.html (पृष्ठ पर अनुवादक का नाम नहीं दिया गया)।

21

"जो कोई राज्य का वचन सुनकर नहीं समझता, उसके मन में जो कुछ बोया गया था, उसे वह दुष्ट आकर छीन ले जाता है; यह वही है, जो मार्ग के किनारे बोया गया था।" मत्ती 13:19 (IRV)। "जो मार्ग के किनारे के हैं जहाँ वचन बोया जाता है, ये वे हैं, कि जब उन्होंने सुना, तो शैतान

तुरन्त आकर वचन को जो उनमें बोया गया था, उठा ले जाता है।" मरकुस 4:15 (IRV)। "परन्तु यदि हमारे सुसमाचार पर परदा पड़ा है, तो यह नाश होनेवालों ही के लिये पड़ा है। और उन अविश्वासियों के लिये, जिनकी बुद्धि इस संसार के ईश्वर ने अंधी कर दी है, ताकि मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरूप है, उसके तेजोमय सुसमाचार का प्रकाश उन पर न चमके।" 2 कुरिन्थियों 4:3–4 (IRV)। "इसलिए हमने (अर्थात् मुझ पौलुस ने) एक बार नहीं, वरन् दो बार तुम्हारे पास आना चाहा, परन्तु शैतान हमें रोके रहा।" 1 थिस्सलुनीकियों 2:18 (IRV)। "परन्तु एलीमास जादूगर ने, (क्योंकि यही उसके नाम का अर्थ है) उनका सामना करके, हाकिम को विश्वास करने से रोकना चाहा।" प्रेरितों के काम 13:8 (IRV)। "फिर उसने मुझसे कहा, "हे दानिय्येल, मत डर, क्योंकि पहले ही दिन को जब तूने समझने-बूझने के लिये मन लगाया और अपने परमेश्वर के सामने अपने को दीन किया, उसी दिन तेरे वचन सुने गए, और मैं तेरे वचनों के कारण आ गया हूँ। फारस के राज्य का प्रधान इक्कीस दिन तक मेरा सामना किए रहा; परन्तु मीकाएल जो मुख्य प्रधानों में से है, वह मेरी सहायता के लिये आया, इसलिए मैं फारस के राजाओं के पास रहा, और अब मैं तुझे समझाने आया हूँ, कि अन्त के दिनों में तेरे लोगों की क्या दशा होगी। क्योंकि जो दर्शन तूने देखा है, वह कुछ दिनों के बाद पूरा होगा।"" दानिय्येल 10:12–14 (IRV)।

22

यहाँ "कलीसिया" शब्द का अर्थ केवल संगठित कलीसियाएँ नहीं, बल्कि वे व्यक्तिगत विश्वासी भी हैं, जो व्यक्तिगत रूप से मसीह की देह का अंग हैं। "क्योंकि जिस प्रकार देह तो एक है और उसके अंग बहुत से हैं, और उस एक देह के सब अंग, बहुत होने पर भी सब मिलकर एक ही देह हैं, उसी प्रकार मसीह भी है। क्योंकि हम सब ने क्या यहूदी हो, क्या यूनानी, क्या दास, क्या स्वतंत्र एक ही आत्मा के द्वारा एक देह होने के लिये बपतिस्मा लिया, और हम सब को एक ही आत्मा पिलाया गया।" 1 कुरिन्थियों 12:12–13 (IRV)। "इसी प्रकार तुम सब मिलकर मसीह की देह हो, और अलग-अलग उसके अंग हो।" 1 कुरिन्थियों 12:27 (IRV)। "वैसा ही हम जो बहुत हैं, मसीह में एक देह होकर आपस में एक दूसरे के अंग हैं।" रोमियों 12:5 (IRV)। "और सब कुछ उसके पाँवों तले कर दिया और उसे सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहराकर कलीसिया को दे दिया, यह उसकी देह है, और उसी की परिपूर्णता है, जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।" इफिसियों 1:22–23 (IRV)। "वही देह, अर्थात् कलीसिया का सिर है; वही आदि है और मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहलौठा कि सब बातों में वही प्रधान ठहरे।" कुलुस्सियों 1:18 (IRV)। "तुम भी आप जीविते पत्थरों के समान आत्मिक घर बनते जाते हो, जिससे याजकों का पवित्र समाज बनकर, ऐसे आत्मिक बलिदान चढ़ाओ, जो यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर को ग्रहणयोग्य हो।" 1 पतरस 2:5 (IRV)।

आरम्भिक कलीसिया

"जहाँ कहीं बिशप दिखाई दें, वहीं [लोगों की] भीड़ भी हो; जैसे जहाँ कहीं यीशु मसीह हैं, वहीं काथलिक कलीसिया है।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) अन्ताकिया के इग्नेशियस, स्मुरना के लोगों के नाम पत्री, अध्याय 8, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

23

"क्योंकि जो तू इस समय चुपचाप रहे, तो और किसी न किसी उपाय से यहूदियों का छुटकारा और उद्धार हो जाएगा, परन्तु तू अपने पिता के घराने समेत नाश होगी। क्या जाने तुझे ऐसे ही कठिन समय के लिये राजपद मिल गया हो?" एस्तेर 4:14 (IRV)। "इस्साकारियों में से जो समय को पहचानते थे, कि इस्राएल को क्या करना उचित है..." 1 इतिहास 12:32 (IRV)। "...तुम आकाश का लक्षण देखकर भेद बता सकते हो, पर समय के चिन्हों का भेद क्यों नहीं बता सकते?" मत्ती 16:3 (IRV)। "गला खोलकर पुकार, कुछ न रख छोड़, नरसिंगे का सा ऊँचा शब्द कर; मेरी प्रजा को उसका अपराध अर्थात् याकूब के घराने को उसका पाप जता दे।" यशायाह 58:1 (IRV)। "हे मनुष्य के सन्तान मैंने तुझे इस्राएल के घराने के लिये पहरुआ नियुक्त किया है; तू मेरे मुँह की बात सुनकर, उन्हें मेरी ओर से चेतावनी देना।" यहेजकेल 3:17 (IRV)। "परन्तु यदि पहरुआ यह देखने पर कि तलवार चलने वाली है नरसिंगा फूँककर लोगों को न चिताए, और तलवार के चलने से उनमें से कोई मर जाए, तो वह तो अपने अधर्म में फँसा हुआ मर जाएगा, परन्तु उसके खून का लेखा मैं पहरुए ही से लूँगा।" यहेजकेल 33:6 (IRV)।

24

कलीसियाओं को लिखने की मसीह की आज्ञा

"जो कुछ तू देखता है, उसे पुस्तक में लिखकर सातों कलीसियाओं के पास भेज दे, अर्थात् इफिसुस, स्मुरना, पिरगमुन, थुआतीरा, सरदीस, फिलदिलफिया और लौदीकिया को।" प्रकाशितवाक्य 1:11 (IRV)। इस बात पर यह सबसे सशक्त प्रमाण है कि मसीह स्वयं आज्ञा देते हैं कि लेख एक क्षेत्र की विशेष कलीसियाओं को, एक-एक का नाम लेकर, भेजे जाएँ। मसीह स्वयं संकेत करते हैं कि सब सन्देशों का पूरी विश्वव्यापी कलीसिया को संबोधित होना आवश्यक नहीं, बल्कि कुछ विशेष सन्देश कुछ स्थानों की कुछ कलीसियाओं के लिये कुछ विशेष समयों पर आवश्यक होते हैं। "जिसके कान हों, वह सुन ले कि पवित्र आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है..." प्रकाशितवाक्य 2:7 (IRV)। पवित्रशास्त्र का यह पद दिखाता है कि एक कलीसिया को संबोधित पत्र कुछ विषयों पर फिर भी सब कलीसियाओं से बात करता है। प्रकाशितवाक्य 1:11 का पिछला प्रमाण बताता है कि कुछ सन्देश विशेष स्थानों की विशेष कलीसियाओं के लिये विशेष समयों पर होते हैं। यह प्रमाण इस बात को सिद्ध करता है कि यद्यपि प्रकाशितवाक्य 1:11 का आदेश लागू है, फिर भी शेष कलीसियाएँ उन विशेष कलीसियाओं को दी गई शिक्षा के द्वारा, जिन्हें प्रकाशितवाक्य 1:11 के सन्देश संबोधित हैं, विश्वास में शिक्षा पा सकती हैं। "इफिसुस की कलीसिया के स्वर्गदूत को यह लिख..." प्रकाशितवाक्य 2:1 (IRV)। यह मसीह का एक ही कलीसिया को संबोधन है। मसीह हम सबके लिये, जिनमें हम भी सम्मिलित हैं जो पवित्र दीक्षा के अधीन हैं, अनुसरण करने का परम आदर्श प्रस्तुत करते हैं। इसलिए कुछ लेख कुछ एक-एक कलीसियाओं को संबोधित होंगे।

क्षेत्र के अनुसार कलीसियाओं को प्रेरितिक पत्र

"और उन्होंने उनके हाथ यह लिख भेजा: "अन्ताकिया और सीरिया और किलिकिया के रहनेवाले भाइयों को जो अन्यजातियों में से हैं, प्रेरितों और प्राचीन भाइयों का नमस्कार!" प्रेरितों के काम 15:23 (IRV)। यह इस तथ्य का प्रमाण है कि यरूशलेम की सभा ने निर्धारित क्षेत्रों को पत्र संबोधित किए, और यही रीति बिशप ने यहाँ अपनाई है। "और नगर-नगर जाते हुए वे उन विधियों को जो यरूशलेम के प्रेरितों और प्राचीनों ने ठहराई थीं, मानने के लिये उन्हें पहुँचाते जाते थे। इस प्रकार कलीसियाएँ विश्वास में स्थिर होती गई और गिनती में प्रतिदिन बढ़ती गई।" प्रेरितों के काम 16:4–5 (IRV)। प्रेरितों के काम 16:4–5, प्रेरितों के काम 15:23 का आगे का क्रम है। प्रेरितों के काम 15:23 दिखाता है कि यरूशलेम की सभा एक निर्धारित क्षेत्र की कलीसियाओं को पत्र लिख रही है। प्रेरितों के काम 16:4 और 5 दिखाते हैं कि वही निर्णय फिर नगर-नगर ले जाए गए और कलीसियाओं को सौंपे गए। और यह लिखा है कि इसका परिणाम यह हुआ कि कलीसियाएँ विश्वास में और भी स्थिर हुई और गिनती में बढ़ीं। यरूशलेम की सभा द्वारा जारी की गई विधियाँ यरूशलेम में ही नहीं रहीं। वे वास्तव में उन कलीसियाओं तक ले जाई गई जिन्हें वे सौंपी जानी थीं। जिन कलीसियाओं ने ये सन्देश पाए, उनका पोषण हुआ, वे विश्वास में स्थिर हुई और गिनती में बढ़ीं। दस राज्यों की कलीसियाओं को क्षेत्रीय लेखों का यही उद्देश्य है। सार यह है कि ये दो पद दिखाते हैं कि क्षेत्रीय पत्र, जब इकट्ठी हुई कलीसियाओं के सामने पढ़कर सुनाया गया, तो उसका प्रभाव हुआ। "और जब यह पत्र तुम्हारे यहाँ पढ़ लिया जाए, तो ऐसा करना कि लौदीकिया की कलीसिया में भी पढ़ा जाए, और वह पत्र जो लौदीकिया से आए उसे तुम भी पढ़ना।" कुलुस्सियों 4:16 (IRV)। पवित्रशास्त्र का यह पद दिखाता है कि प्रेरितिक पत्र, जो एक कलीसिया को संबोधित थे, फिर पड़ोसी कलीसियाओं में भी पहुँचाए गए। "मैं तुम्हें प्रभु की शपथ देता हूँ, कि यह पत्री सब भाइयों को पढ़कर सुनाई जाए।" 1 थिस्सलुनीकियों 5:27 (IRV)। यह प्रमाण इस बात को दिखाता है कि कोई विशेष सन्देश किसी विशेष स्थान की किसी विशेष कलीसिया को पहुँचाना आवश्यक हो सकता है, और फिर भी वह दस राज्यों में फैली शेष कलीसिया पर भी साथ-साथ लागू हो और उतना ही महत्वपूर्ण हो, यद्यपि शायद उतना अत्यावश्यक न हो जितना संबोधित कलीसिया के लिये।

तितर-बितर कलीसियाओं को पत्र

"पतरस की ओर से जो यीशु मसीह का प्रेरित है, उन परदेशियों के नाम, जो पुन्तुस, गलातिया, कप्पदूकिया, आसिया, और बितूनिया में तितर-बितर होकर रहते हैं।" 1 पतरस 1:1 (IRV)। पवित्रशास्त्र का यह पद इस बात को दर्शाता है कि सब विश्वासी कलीसिया की आराधना-सभाओं में उपस्थित नहीं होते, और कुछ उन समुदायों में फैले हुए हैं जिनमें वे रहते हैं। ये लोग, जो हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह पर विश्वास करते हैं, मसीह की देह के उतने ही अंग हैं जितने वे जो कलीसिया की आराधना-सभाओं में हैं। और यही मुख्य कारण है कि बिशप अपने सन्देश "तितर-बितर कलीसियाओं" को संबोधित करते हैं। पवित्र आत्मा प्रत्येक विश्वासी के भीतर हैं। जो इसके विपरीत कहता है, वह पवित्र आत्मा की निन्दा करता है। "परमेश्वर के और प्रभु यीशु मसीह के दास याकूब की ओर से उन बारहों गोत्रों को जो तितर-बितर

होकर रहते हैं नमस्कार पहुँचे।" याकूब 1:1 (IRV)। यह सारी पृथ्वी पर तितर-बितर फैली हुई विश्वव्यापी कलीसिया को संबोधन का एक उदाहरण है। यह पूरी कलीसिया के लिये एक विश्वव्यापी सन्देश है। इसमें बारह गोत्रों का उल्लेख है, जबकि "स्वर्ग राज्य का शास्त्री" में सन्देश दस राज्यों को संबोधित किए जाते हैं। फिर भी यह विश्व भर की कलीसियाओं को संबोधित करने का पूर्व-उदाहरण स्थापित करता है। किसी क्षेत्र की कलीसियाओं को विशेष रूप से संबोधित करने का पूर्व-उदाहरण ऊपर की टिप्पणियों के द्वारा पहले ही स्थापित किया जा चुका है।

आरम्भिक कलीसिया: कलीसिया से कलीसिया को संबोधित पत्र

"परमेश्वर की कलीसिया, जो रोम में परदेशी होकर रहती है, परमेश्वर की उस कलीसिया को, जो कुरिन्थुस में परदेशी होकर रहती है, उनको जो बुलाए गए हैं और हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर की इच्छा से पवित्र किए गए हैं: सर्वशक्तिमान परमेश्वर की ओर से यीशु मसीह के द्वारा तुम्हें अनुग्रह और शान्ति बहुतायत से मिले।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) रोम के क्लेमेंट, कुरिन्थियों के नाम पहली पत्री, अभिवादन, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में। "परमेश्वर की कलीसिया, जो स्मुरना में परदेशी होकर रहती है, परमेश्वर की उस कलीसिया को, जो फिलोमेलियुम में परदेशी होकर रहती है, और हर स्थान में पवित्र और काथलिक कलीसिया की सब मण्डलियों को: परमेश्वर पिता और हमारे प्रभु यीशु मसीह की ओर से दया, शान्ति और प्रेम बहुतायत से मिले।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) पॉलीकार्प की शहादत, अभिवादन, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

25

"तुम मेरे लिये राज्यपालों और राजाओं के सामने उन पर, और अन्यजातियों पर गवाह होने के लिये पेश किए जाओगे।" मत्ती 10:18 (IRV)। "तब नातान ने दाऊद से कहा, "तू ही वह मनुष्य है..." 2 शमूएल 12:7 (IRV)। "क्योंकि यूहन्ना ने हेरोदेस से कहा था, "अपने भाई की पत्नी को रखना तुझे उचित नहीं।"" मरकुस 6:18 (IRV)। "एलिय्याह को देखते ही अहाब ने कहा, "हे इस्राएल के सतानेवाले क्या तू ही है?" उसने कहा, "मैंने इस्राएल को कष्ट नहीं दिया, परन्तु तू ही ने और तेरे पिता के घराने ने दिया है; क्योंकि तुम यहोवा की आज्ञाओं को टालकर बाल देवताओं की उपासना करने लगे।" 1 राजाओं 18:17–18 (IRV)। "इस कारण, हे राजा, मेरी यह सम्मति स्वीकार कर, कि यदि तू पाप छोड़कर धार्मिकता करने लगे, और अधर्म छोड़कर दीन-हीनों पर दया करने लगे, तो सम्भव है कि ऐसा करने से तेरा चैन बना रहे।" दानिय्येल 4:27 (IRV)। "सुन, मैंने आज के दिन तुझे जातियों और राज्यों पर ठहराया है; उन्हें गिराने और ढा देने के लिये, नाश करने और काट डालने के लिये, उन्हें बनाने और रोपने के लिये।" यिर्मयाह 1:10 (IRV)। "जब वह धार्मिकता और संयम और आनेवाले न्याय की चर्चा कर रहा था, तो फेलिक्स ने भयभीत होकर उत्तर दिया, "अभी तो जा; अवसर पाकर मैं तुझे फिर बुलाऊँगा।"" प्रेरितों के काम 24:25 (IRV)। "अब अग्रिप्पा ने पौलुस से कहा, "क्या तू थोड़े ही समझाने से मुझे मसीही बनाना चाहता है?" पौलुस ने कहा, "परमेश्वर से मेरी प्रार्थना यह है कि क्या थोड़े में, क्या बहुत में, केवल तू ही नहीं, परन्तु जितने लोग आज मेरी सुनते हैं, मेरे इन बन्धनों को छोड़ वे मेरे समान हो जाएँ।"" प्रेरितों के काम 26:28–29 (IRV)। "तब पतरस और, अन्य प्रेरितों ने उत्तर दिया, "मनुष्यों की आज्ञा से बढ़कर परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना ही हमारा कर्तव्य है।" प्रेरितों के काम 5:29 (IRV)। "यदि आप उपस्थित रहने का विचार रखते हैं, तो मैं बलि चढ़ाने का साहस नहीं करता।" (NPNF2 10 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) मिलान के एम्ब्रोस, पत्र 51.13, सम्राट थियोडोसियस के नाम, अनु. H. de Romestin, Nicene and Post-Nicene Fathers, द्वितीय शृंखला, खंड 10, सं. Philip Schaff और Henry Wace (New York: Christian Literature Publishing, 1896) में।

आरम्भिक कलीसिया

"सम्राट टाइटस एलियस एड्रियानस एंटोनिनस पायस ऑगस्टस कैसर को, और उनके पुत्र दार्शनिक वेरिसिमस को, और कैसर के स्वाभाविक पुत्र और पायस के दत्तक पुत्र, विद्या-प्रेमी दार्शनिक लूसियस को, और पवित्र सीनेट को, और रोमियों की सारी प्रजा को, मैं, जस्टिन, प्रिस्कुस का पुत्र और बैकियस का पोता, जो फ़िलिस्तीन के फ्लाविया नियापोलिस के निवासी हैं, सब जातियों के उन लोगों की

ओर से, जिनसे अन्यायपूर्वक बैर किया जाता है और जिनका मनमाने ढंग से अपमान किया जाता है, यह संबोधन और निवेदन प्रस्तुत करता हूँ, और मैं स्वयं उन्हीं में से एक हूँ।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) शहीद जस्टिन, पहला प्रतिवाद, अध्याय 1, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

26

"फिर यहोवा ने मुझसे कहा, "दर्शन की बातें लिख दे; वरन् पटियाओं पर साफ-साफ लिख दे कि दौड़ते हुए भी वे सहज से पढ़ी जाएँ।" हबक्कूक 2:2 (IRV)। "...मुझे भी यह उचित मालूम हुआ कि उन सब बातों का सम्पूर्ण हाल आरम्भ से ठीक-ठीक जाँच करके उन्हें तेरे लिये क्रमानुसार लिखूँ..." लूका 1:3 (IRV)। "पर सारी बातें सभ्यता और क्रमानुसार की जाएँ।" 1 कुरिन्थियों 14:40 (IRV)।

27

"किसी मनुष्य के विरुद्ध किसी प्रकार के अधर्म या पाप के विषय में, चाहे उसका पाप कैसा ही क्यों न हो, एक ही जन की साक्षी न सुनना, परन्तु दो या तीन साक्षियों के कहने से बात पक्की ठहरे।" व्यवस्थाविवरण 19:15 (IRV)। "अब तीसरी बार तुम्हारे पास आता हूँ: दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी।" 2 कुरिन्थियों 13:1 (IRV)। "और यदि वह न सुने, तो और एक दो जन को अपने साथ ले जा, कि हर एक बात दो या तीन गवाहों के मुँह से ठहराई जाए।" मत्ती 18:16 (IRV)। "ये लोग तो थिस्सलुनीके के यहूदियों से भले थे और उन्होंने बड़ी लालसा से वचन ग्रहण किया, और प्रतिदिन पवित्रशास्त्रों में ढूँढ़ते रहे कि ये बातें ऐसी ही हैं कि नहीं।" प्रेरितों के काम 17:11 (IRV)। "सब बातों को परखो जो अच्छी है उसे पकड़े रहो।" 1 थिस्सलुनीकियों 5:21 (IRV)।

इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International (CC BY-SA 4.0) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।